दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 रोइंग चैंपियनशिप

5 पत्नी का कत्ल: साहब! मैंने राखी को इसलिए मार डाला...

8 आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 18 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 28 अक्टूबर, 2024

गोरखपुर में दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस की टीम पर हमला, सिपाही- दरोगा घायल

गोरखपुर । हरनामपुर ग्रामसभा के मरौहिया टोला में दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला हो गया। हमले में प्रशिक्षु दरोगा और सिपाही का सिर फूट गया। गंभीर हालत में उन्हें सीएचसी पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिसकर्मियों को रचित हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही एसपी उत्तरी पुलिस फोर्स के साथ गांव में पहुंचे और जांच पड़ताल की। मामले में हमला करने के आरोपी परिजनों पर पुलिस केस दर्ज करने की तैयारी कर रही है। हरनामपुर गांव के मरौहिया टोला निवासी राहुल निषाद पर कैंपियरगंज थाने में दुष्कर्म का केस दर्ज है।

बुधवार रात आठ बजे पुलिस उसे गिरफ्तार करने घर पर पुलिस पहुंची। आरोप है कि वहां परिजनों ने हाथापाई शुरू कर दी। परिजनों ने धावा बोलकर सिपाही अजीत और प्रशिक्षु एसआई सचिन को मारपीट कर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया था, लेकिन वह भाग निकला। पुलिस के अनुसार, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए एक लड़की ने राहुल पर केस दर्ज कराया है। लड़की का कोर्ट में बयान कराने के बाद मछलीगांव पुलिस चौकी की फोर्स के साथ गिरफ्तारी करने गई थी। परिजनों का आरोप है कि उनके साथ पुलिस ने दुर्व्यवहार किया है।

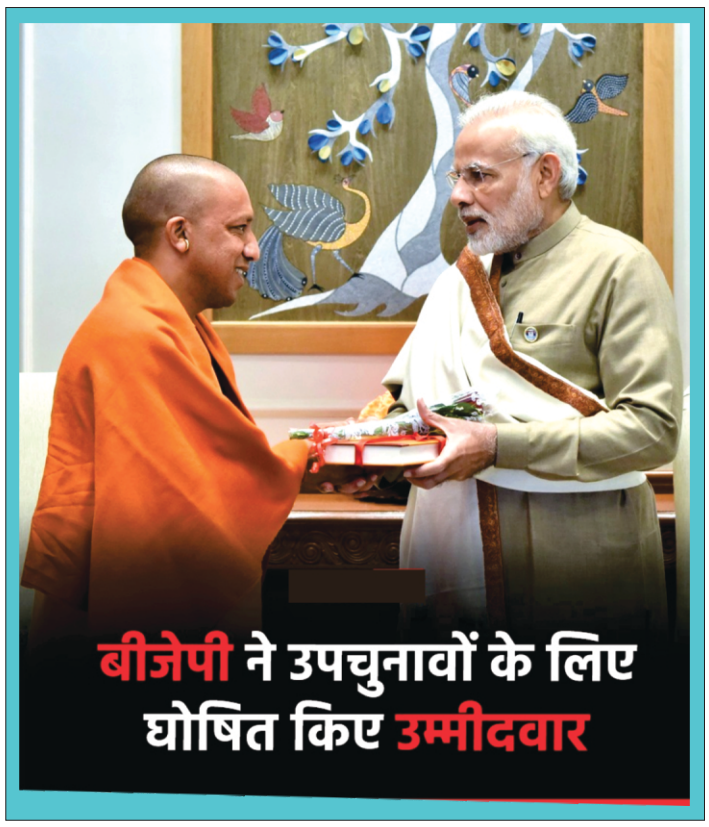

भाजपा ने उपचुनाव के लिए जारी की सूची

दिल्ली–एनसीआर। भाजपा ने यूपी में होने वाले उपचुनाव को लेकर सात सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। करहल विधानसभा सीट से भाजपा ने अनुजेश यादव को उम्मीदवार बनाया है। देखें किसे कहां से मिला टिकट भाजपा ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा उप चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में सात उम्मीदवारों के नाम हैं। भाजपा ने करहल सीट पर लालू यादव के दामाद और अखिलेश यादव के भतीजे तेज प्रताप यादव के सामने अनुजेश यादव को टिकट दिया है। भाजपा ने कानपुर की सीसमऊ और मीरापुर सीट पर उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे। 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। बता दें कि यूपी की 10 सीटों पर उपचुनाव होने थे लेकिन कोर्ट में दायर याचिका की वजह से मिल्कीपुर में उपचुनाव की तारीख का एलान नहीं किया गया था। ऐसे में अब नौ सीटों पर ही चुनाव होंगे।

इन सीटों पर होने हैं उपचुनाव

यूपी में नौ विधानसभा सीटों करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर), कटेहरी (अंबेडकरनगर), कुंदरकी (मुरादाबाद), खैर (अलीगढ़), गाजियाबाद, फूलपुर (प्रयागराज), मझवा (मिर्जापुर) और मीरापुर (मुजफ्फरनगर) पर उपचुनाव होने हैं। सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है जबकि 9 विधायक, लोकसभा सदस्य बन चुके हैं। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में करहल सीट पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जीत दर्ज की थी। लेकिन 2024 में अखिलेश यादव कन्नौज से सांसद चुने गए। इसके बाद करहल सीट खाली हो गई थी।

मुलायम सिंह यादव के दामाद को घोषित किया प्रत्याशी

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में करहल सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है। मुलायम सिंह यादव के दामाद और सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई अनुजेश यादव को भाजपा ने टिकट दिया है। टिकट घोषित होने के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

करहल उप चुनाव के बृहस्पतिवार को सुबह भाजपा ने टिकट की घोषणा कर दी। यहां भाजपा का मुकाबला सीधे सैफई परिवार से है।

करहल से लड़ेंगे अनुजेश यादव

- कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर
- गाजियाबाद से संजीव शर्मा
- खैर (अजा) से सुरेंद्र दिलेर
- करहल से अनुजेश यादव
- फूलपुर से दीपक पटेल
- कटेहरी से धर्मराज निषाद
- मझवां से सुचिस्मिता मौर्या

ऐसे में सैफई परिवार के रिश्तेदार को ही भाजपा ने मैदान में उतार दिया है। भाजपा ने इस बार मुलायम सिंह यादव के दामाद (भतीजी संध्या यादव के पति) अनुजेश प्रताप यादव को मैदान में उतारा है।

अनुजेश सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई हैं। धर्मेंद्र यादव की बहन संध्या उर्फ बेबी यादव 2015 से 2020 तक मैनुपरी से जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। वहीं अनुजेश भी फिरोजाबाद से इसी कार्यकाल में जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। फिरोजाबाद के गांव भारौल निवासी अनुजेश प्रताप यादव अब सपा प्रत्याशी मुलायम सिंह यादव के पौत्र तेजप्रताप से करहल में दो–दो हाथ करेंगे। ऐसे यहां मुकाबला सैफई परिवार और रिश्तेदार के बीच होगा।

करहल में दिलचस्प मुकाबला

मैदान में दो यादव, दोनों लालू–मुलायम के दामाद, आपस में फूफा–भतीजे

करहल से सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव –

करहल से भाजपा प्रत्याशी अनुजेश यादव –

भाजपा प्रत्याशी अनुजेश यादव, मुलायम सिंह यादव की भतीजी संध्या यादव के पति हैं। अनुजेश करहल सीट पर अपने भतीजे तेज प्रताप यादव के सामने चुनावी मैदान में ठोकेंगे ताल।

मैनपुरी। भाजपा के दांव से सपा में खलबली मच गई है। भाजपा ने मुलायम सिंह यादव के दामाद अनुजेश यादव को अपना प्रत्याशी बनाया है। अब करहल सीट पर फूफा और भतीजा आमने सामने होंगे। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में करहल सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है। मुलायम सिंह यादव के दामाद और सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई अनुजेश यादव को भाजपा ने टिकट दिया है। टिकट घोषित होने के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। करहल उप चुनाव के बृहस्पतिवार को सुबह भाजपा ने टिकट की घोषणा कर दी। यहां भाजपा का मुकाबला सीधे सैफई परिवार से है। ऐसे में सैफई परिवार के रिश्तेदार को ही भाजपा ने मैदान में उतार दिया है। भाजपा ने इस बार मुलायम सिंह यादव के दामाद (भतीजी संध्या यादव के पति) अनुजेश प्रताप यादव को मैदान में उतारा है।

ये है अनुजेश यादव का राजनीतिक सफर

अनुजेश सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई हैं। धर्मेंद्र यादव की बहिन संध्या उर्फ बेबी यादव 2015 से 2020 तक मैनुपरी से जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। वहीं अनुजेश भी फिरोजाबाद से इसी कार्यकाल में जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं।

सैफई परिवार से होगा सीधा मुकाबला

फिरोजाबाद के गांव भारौल निवासी अनुजेश प्रताप यादव अब सपा प्रत्याशी मुलायम सिंह यादव के पौत्र तेजप्रताप से करहल में दो–दो हाथ करेंगे। ऐसे यहां मुकाबला सैफई परिवार और रिश्तेदार के बीच होगा। अनुजेश यादव की टिकट की घोषणा के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

खेत में 20 मीटर तक बिखरे मिले मासूम की लाश के टुकड़े...

कानपुर। यूपी के हरदोई जिले में छह दिन से लापता बच्चे की लाश खेत में पड़ी मिली है। खेत में 20 मीटर तक लाश के टुकड़े बिखरे मिले हैं। कहीं हाथ तो कहीं पैर की हड्डी मिली हैं। शव की दशा देखकर हर किसी की रूह कांप गई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के शाहाबाद से छह दिन से लापता बच्चे को पुलिस नहीं खोज पाई और बुधवार को उसका क्षत–विक्षत शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला। पोस्टमार्टम के लिए भेजने के लिए शव के टुकड़े एकत्र कर पहले पॉलीथिन और फिर कफन में रखे गए। पुलिस का दावा है कि हत्या के बाद शव गन्ने के खेत में फेंका गया होगा और मवेशियों ने नोंच खाया। एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर खुलासे के लिए टीमें गठित की हैं। पुलिस कुकर्म के बाद हत्या का अंदेशा जता रही है।शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को 19 अक्तूबर को तहरीर दी थी। बताया कि 18 अक्तूबर की दोपहर उसका पुत्र (11) रात में गांव में ही खेलने गया था। इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला। परिजनों ने रात में तलाश की और कोई जानकारी न मिलने पर 19 अक्तूबर को पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर औपचारिकता पूरी कर ली। इसके बाद बुधवार दोपहर गांव निवासी एक शख्स बच्चे के घर से एक किलोमीटर दूर खेत में धान काट रहा था। पास के ही खेत में गन्ने की फसल थी। खेत से बदबू आने पर उन्होंने ग्रामीणों को बताया। ग्रामीणों ने अंदर जाकर देखा तो बच्चे का क्षत–विक्षत शव पड़ा था। लगभग 20 मीटर क्षेत्रफल में कहीं हाथ की हड्डी तो कहीं पैर की हड्डी पड़ी हुई थी। शरीर के ज्यादातर हिस्से से मांस गायब हो चुका था। शव मिलने की जानकारी पर एसपी नीरज कुमार जादौन मौके पर पहुंचे और जांच की। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से नमूने लिए। एसपी ने बताया कि शव काफी क्षत–विक्षत स्थिति में मिला है। घटना के खुलासे के लिए टीमें लगाई गई हैं। परिजनों ने किसी से रंजिश की बात से इनकार किया है। उधर, दूसरी ओर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि कुकर्म के बाद हत्या किए जाने के बिंदु पर भी जांच की जा रही है।

लापरवाही से गई मासूम की जान

बच्चों की गुमशुदगी के मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने भले ही ऑपरेशन मुस्कान चला रखा हो, लेकिन मातहतों की लापरवाही ने एक परिवार की खुशी छीन ली। गुमशुदगी के मामले में पुलिस ने अगर तत्काल ही वैसी सक्रियता दिखाई होती जैसी सोमवार शाम शहर की पुलिस ने दिखाई थी, तो शायद मासूम जिंदा होता। शव की दशा देखकर हर किसी की रूह कांप गई। मृतक के माता–पिता का करुण क्रंदन हर किसी की आंखों को भिगो गया। शव का पोस्टमार्टम पैनल से कराने और वीडियोग्राफी कराने के निर्देश भी एसपी ने दिए हैं। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी शख्स के जुड़वा बेटे थे।

कक्षा पांच का था छात्र

इनमें से एक बेटा जो 11 साल का था कक्षा पांच का छात्र था। बच्चों के साथ खेलते समय 18 अक्तूबर की रात संदिग्ध हालात में लापता हो गया। परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने बहुत सक्रियता नहीं दिखाई। सक्रियता दिखाई होती तो शायद मासूम का शव न मिलता और परिवार की दिवाली भी अंधेरे से न घिरती।

किसी करीबी ने दिया वारदात को अंजाम

मृतक का शव उसके मकान से लगभग एक किलोमीटर दूर गन्ने के खेत में मिला है। कहीं न कहीं पुलिस को आशंका है कि कोई बहुत करीबी परिचित ही उसे गन्ने के खेत ले गया होगा। गन्ने के खेत और घर से दूरी इतनी ज्यादा है कि रास्ते में कोई भी देख सकता था। साथ ही, कुकर्म के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने की भी आशंका जताई जा रही है।

घटना का खुलासा करने की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह को सौंपी गई है। पूरे मामले की विवेचना भी उनकी निगरानी में हो रही है।

उन्होंने कहा कि घटना का खुलासा जल्द से जल्द किया जाएगा। मामले में लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई होने की संभावना है।

सम्पादकीय

मणिपुर के लिए स्वीकार्य शांति फार्मूला तैयार करने में केंद्र की कठिना

मैतेई, नागा और कुकी–जो मणिपुर के प्रमुख समुदाय हैं। 3 मार्च, 2023 को मैतेई और कुकी–जो के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से नागाओं ने तटस्थ रुख अपनाया है। उनका रुख स्पष्ट है। यूनाइटेड नागा काउंसिल के महासचिव वरेयोशात्सांग ने संवाद को बताया, 'केंद्र सरकार मैतेई और कुकी के बीच संघर्ष को सुलझाने का प्रयास कर रही हो सकती है; उन्हें ऐसा करने दें। हमें सूप की कटोरी या चाय या कॉफी के कप के साथ सामाजिक मेलजोल करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है; लेकिन उसके बाद यह हमारे लिए 'इतनी ही दूरी और उसके आगे और कुछ भी नहीं' है। हमारी अपनी पुरानी मांगें हैं और हम उन्हें पूरा करने के लिए दृढ़ हैं', महत्वपूर्ण कुकी और नागा नेताओं ने संवाद को बताया, जब उनसे मंगलवार, 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हिंसाग्रस्त मणिपुर में कुकी–जो–हमार, मैतेई और नागा समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य के विधायकों के साथ हुई बैठक के बारे में पूछा गया।

बैठक पर मंत्रालय के संक्षिप्त बयान में इसे शांति की खोज कहा गया, लेकिन यह विवरण बहुत किफायती था। बयान में मुख्यमंत्री एनबीरेन सिंह की बैठक में अनुपस्थिति के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया। कुकी–जो–हमार, मैतेई और नागा विधायकों को एक साथ मिलना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मंत्रालय को कुकी–जो–हमार विधायकों के लिए एक अलग बैठक के लिए सहमत होना पड़ा। इस प्रकार, यह केवल मैतेई और नागा विधायकों की एक संयुक्त बैठक बन गयी। जानकार राजनीतिक हलकों के अनुसार, कुल 30 से अधिक भाजपा विधायकों में से 19 ने पार्टी के शीर्ष नेताओं से मांग की है कि मौजूदा मुख्यमंत्री को बदला जाये। उनमें से अधिकांश मैतेई विधायक हैं। इस संदर्भ को देखते हुए, पार्टी आलाकमान ने महसूस किया कि मुख्यमंत्री, जो मैतेई के प्रतिष्ठित नेता हैं, को बैठक से दूर रहना चाहिए।

संयुक्त बैठक के संदर्भ में मंत्रालय के उद्देश्य के विपरीत अलग बैठक के बारे में पूछे जाने पर, कुकी नेताओं ने इस संवाददाता से कहा कि मैतेई प्रतिनिधियों के साथ भागीदारी का कोई सवाल ही नहीं था। बहुत लंबे समय से वे हमारे प्रति उदासीन रहे हैं। बहुत लंबे समय से वे हम पर हावी रहे हैं। दिलचस्प बात यह भी रही कि जब उन्हें बीरेन सिंह के खिलाफ 50 प्रतिशत से अधिक भाजपा विधायकों द्वारा विद्रोह के बारे में बताया गया, तो उन्होंने कहाः 'हमें कोई परेशानी नहीं है; हमें मुख्यमंत्री पर कोई भरोसा नहीं है। वह हमेशा से हमें नजरअंदाज करते रहे हैं'।

पूर्वोत्तर के लिए केन्द्रीय मंत्रालय की ओर से वार्ताकार ए के मिश्रा के सामने एक कठिन काम है, यह मणिपुर में कुकी और नागा संगठनों के रुख से पता चलता है।

कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन और कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन से करीबी तौर पर जुड़े डॉ. सेलेनहाओकिप ने संवाद से कहाः 'हम केंद्र शासित प्रदेश की अपनी मांग पर अड़े हुए हैं, जिसका मैतेई बहुल इलाकों से प्रशासनिक तौर पर कोई लेना–देना नहीं होगा। विधायी तंत्र के साथ एक केंद्र शासित प्रदेश की व्यवस्था न्याय और प्रशासन और सरकार में हमारी सार्थक भूमिका सुनिश्चित करेगी।' नागा लोगों का रुख बिल्कुल अलग है। उनके शीर्ष संगठन यूनाइटेड नागा काउंसिल ने समय–समय पर मैतेई बहुल इंफाल घाटी और कुकी–जो लोगों की अच्छी संख्या वाली पहाड़ियों में उन पर किये गये अत्याचारों को सूचीबद्ध किया है। यूएनसी ने मैतेई और कुकी–जो समुदायों से भी अनुरोध किया है कि वे इंफाल घाटी और परिधीय पहाड़ी क्षेत्रों में नागाओं, उनके आवासों और संपत्तियों पर हमला करने से खुद को रोकें।

मैतेई, नागा और कुकी–जो मणिपुर के प्रमुख समुदाय हैं। 3 मार्च, 2023 को मैतेई और कुकी–जो के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से नागाओं ने तटस्थ रुख अपनाया है। उनका रुख स्पष्ट है। यूनाइटेड नागा काउंसिल के महासचिव वरेयोशात्सांग ने संवाद को बताया, 'केंद्र सरकार मैतेई और कुकी के बीच संघर्ष को सुलझाने का प्रयास कर रही हो सकती है; उन्हें ऐसा करने दें। लेकिन, किसी भी परिस्थिति में हमारी जमीन, जो वास्तव में हमारी पैतृक जमीन है, उसे कुकी को देकर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही, हम मैतेई को एसटी का दर्जा देने के सख्त खिलाफ हैं। हम कुकी को स्वदेशी लोग नहीं मानते हैं; वे सालों पहले उस समय के बर्मा से आये थे, जो बाद में म्यांमार बन गया।' यूएनसी के अध्यक्ष एनजी लोरहो ने पहले ही आधिकारिक तौर पर कहा था कि नागाओं के लिए प्राथमिकता अनुवर्ती कार्रवाई और 3 अगस्त, 2015 को नई दिल्ली के साथ हुए रूपरेखा समझौते का क्रियान्वयन है। लोरहो ने इस बात पर भी जोर दिया था कि वे कुकी या मैतेई के खिलाफ नहीं हैं। 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में हुई बैठक के बारे में पूछे जाने पर शात्सांग ने सुझाव दिया कि केंद्र को अपने शांति प्रयासों में नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) और छात्र संगठनों को बड़े पैमाने पर शामिल करना चाहिए। मणिपुर के विधायकों की कोई विश्वसनीयता नहीं है। वे कानूनी तौर पर लोगों के प्रतिनिधि हो सकते हैं, लेकिन वास्तव में वे नहीं हैं। स्थापित सीएसओ में यूएनसी, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति और कुकी इंपी का उल्लेख किया जा सकता है। अंतिम उल्लेखित सीएसओ आदिवासी कुकी लोगों की सरकार का पारंपरिक रूप है, जो कबीले के प्रमुखों और गांव के प्रमुखों से बना है। कई छात्र संगठन हैं जो अपनी विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं और जो अच्छा काम कर रहे हैं। शांति प्रक्रिया के प्रयासों की विश्वसनीयता होगी यदि उन्हें विचार–विमर्श में योगदान देने के लिए कहा जाये। शात्सांग ने संवाद को बताया कि वास्तव में, नागरिक समाज संगठनों और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों, दोनों से युद्धरत पक्षों का सहयोग प्राप्त करने के लिए कहा जाना चाहिए।

धर्मांधता के पागलपन का शिकार समाज

वैष्णव जन तो तेने कहिए रे, पीर पराई जाने रे, इस भजन के मायने हिंदू को जगाने वाले बेहूदा अभियान में गुम हो चुके हैं। राहुल गांधी के शब्दों में कह सकते हैं कि पूरे देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है और चिंगारी लगने की देर है। अब ये चिंगारी बार–बार भड़कती हुई दिख रही है। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि में दीवाली उत्सव में रंगोली सजाने और दीयों के जलाने पर छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। लगभग दो–ढाई दशक पहले न्यूज चैनलों ने टीआरपी बढ़ाने और सबसे आगे बने रहने की दौड़ में जब नए–नए प्रयोग करने शुरु किए थे, तब करवा चौथ के मौके पर किसी चैनल ने व्रत करने वाली महिलाओं के लिए चांद की लाइव तस्वीरें दिखाई थीं। उसके बाद यह सिलसिला मैदान में उतरे बाकी चैनलों ने भी शुरु कर दिया। उस समय पत्रकारिता और मीडिया का ऐसा हाल देखकर आश्चर्य हुआ था कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें पूजा, व्रत जैसी निहायत व्यक्तिगत बातें भी अब खबरों के कारोबार में इस्तेमाल हो रही हैं। उस दौर में एनडीए की सरकार थी. वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे, लालकृष्ण आडवानी की प्रधानमंत्री बनने की हसरत थी और इंडिया शाइनिंग के नारे के साथ भाजपा को यकीन था कि भारत को चमकाने के नाम पर उसकी सियासत में चार चांद जरूर लगेंगे। बहरहाल, ऐसा नहीं हुआ, 2004 से 2014 तक यूपीए की सरकार रही। तब कांग्रेस के नेतृत्व में सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा, भोजन का अधिकार जैसे कई जनहितकारी फैसले भी आए। लेकिन अपने 10 सालों की सत्ता में कांग्रेस मीडिया के जरिए समाज में जहर भरने के दबे–छिपे एजेंडे को रोक पाने में नाकाम रही, बल्कि यह कहा जाए कि कांग्रेस समझ ही नहीं पाई कि उसकी नाक के नीचे दक्षिणपंथी ताकतें कैसा खेल कर रही हैं, तो शायद गलत नहीं होगा। कांग्रेस की इस नासमझी, नाकामयाबी और नजरंदाजी का खामियाजा अब देश भुगत रहा है। क्योंकि अब न्यूज चैनल करवा चौथ पर केवल चांद नहीं दिखा रहे, मेंहदी जिहाद के एजेंडे को भी चला रहे हैं। नरेन्द्र मोदी जब से सत्ता में आए हैं, तब से किस्म–किस्म के जिहाद देश में बताए जाने लगे हैं। ताजा मामला करवा चौथ पर लगाए जाने वाली मेंहदी से जुड़ा है। इस त्यौहार के मौके पर शहरों के व्यस्त बाजारों में फुटपाथ पर मेहंदी लगाने और लगवाने वालों की भीड़ आम बात है, कई सालों से ऐसा सिलसिला चल रहा है। लेकिन इस बार उग्र में कुछ जगहों पर दुर्गावाहिनी संगठन या इसी तरह के हिंदुत्ववादी संगठनों ने ऐलान किया कि हिंदुओं के इस धर्म में मेंहदी लगाने का काम मुस्लिम समुदाय के लोग नहीं करेंगे।

सोशल मीडिया पर एक युवक का वीडियो भी वायरल हुआ, जो भरे बाजार में मुस्लिम लड़कियों को मेंहदी लगाने से रोक रहा था और गुंडागर्दी कर रहा था। इस तरह की खबरों को अगर प्रचारित–प्रसारित न किया जाए, तो ऐसे पागलपन को वहीं दबाया जा सकता है, लेकिन अगर मकसद पूरे देश को धर्मांधता के पागलखाने में तब्दील करना ही हो तो मीडिया की सेवाएं ली जाती हैं। इसलिए करवा चौथ पर चांद और पति की लंबी आयु के लिए पूजा करने वाली सुहागिनों की तस्वीरों, फिल्मी सितारों की करवा चौथ वाली पूजा के वीडियो के साथ–साथ अब मेंहदी जिहाद पर कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। हिंदू–मुसलमान के नाम पर दिन–रात बहसें कराकर अच्छे–भले लोगों का रक्तचाप बढ़ाने वाले एंकर संघ और भाजपा के एजेंडे को पूरा करने में लगे हैं। इस पागलपन में देश के एक बड़े तबके को शिकार बनाया जा रहा है, जिसके रोज नए उदाहरण सामने आ रहे हैं। दुर्गा विसर्जन के जुलूस में उग्र के बहराइच में दंगा भड़का जिसमें एक नौजवान की मौत हो गई। इसमें भी गलत खबरों को धड़ल्ले से प्रसारित किया गया। उस युवक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बारे में झूठी बातें फैलाई गईं और इसमें कई बड़े पत्रकारों और भाजपा नेताओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। हालांकि बहराइच पुलिस ने साफ कहा कि उस युवक को मारने से पहले यातनाएं देने की बात गलत है, ऐसा कुछ नहीं हुआ था। पुलिस की सफाई तो आ गई, लेकिन समाज में सांप्रदायिक जहर फैलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर होती तो शायद ऐसी कोशिशों पर थोड़ी रोक लगती। लेकिन बात वही है कि फिर भाजपा का मकसद पूरा करने का काम कौन करता। झारखंड में पिछले चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने कपड़ों से पहचानने वाला बयान दिया था, अब वो बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा इस आदिवासी बहुल राज्य में उठा रहे हैं। उधर बिहार के सीमांचल को भी यही डर दिखाकर केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग उठी है। भाजपा सरकार में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकालकर खुलेआम धर्मनिरपेक्षता की अवहेलना कर रहे हैं और संविधान की शपथ का अपमान कर रहे हैं। दो दिन पहले राजस्थान में भाजपा विधायक बालमुकुंद बासबदनपुरा के शिया इमामगाह मस्जिद में घुस गए थे। उस वक्त नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, उनकी इबादत में दखल देते हुए बालमुकुंद ने कहा कि यह देवस्थान है। उनके इस तरह पहुंचने से हंगामा मचा और पुलिस तक खबर पहुंची, लेकिन पुलिस के आने से पहले विधायक महोदय वहां से चले गए। इमामबाड़े के इमाम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि विधायक ने उनके साथ बदतमीजी की, यहां तक कि वे इबादतगाह में जूते पहनकर घुस गए। अभी पिछले दिनों कर्नाटक की अदालत ने मस्जिद में जय श्रीराम के नारे लगाने को गलत नहीं माना था। अब देखना होगा कि भाजपा विधायक पर कोई कार्रवाई होती है या इसे भी भाजपा राज में गलत नहीं माना जाएगा, क्योंकि वे तो हिंदुत्व का परचम लहराने ही इमामबाड़ा पहुंचे थे।

एक तरफ बटेंगे तो कटेंगे जैसे जुमले भाजपा उछाल रही है और सारे हिंदुओं को एकजुट करने के संघ सरसंचालक के निर्देशों पर अमल कर रही है और दूसरी तरफ हिंदुस्तान को अल्पसंख्यकों के लिए असुरक्षित देश बनाने में लगी है। इस खतरनाक एजेंडे की चपेट में जनता का एक बड़ा तबका पहले ही आ चुका है, अब न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन, संसद और विधानसभाओं में बैठे लोग, खेल, कला जगत, व्यापारिक संस्थान, मीडिया से जुड़े लोग भी बिना किसी लिहाज, पर्दादारी के बेझिझक इस एजेंडे को गर्व के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे इस तरह अपने धर्म की सेवा कर रहे हैं, और इसी से देश की सेवा भी होगी। लेकिन असल में ये देश के खिलाफ भयानक षड्यंत्र में भागीदार बन रहे हैं। क्योंकि अब जिस तरफ निगाह दौड़ाइए, धर्म के नाम पर शक और नफरत से भरे लोग दिखाई देंगे, जिन्हें दूसरे धर्म के लोगों की खुशी से तकलीफ होती है और ये खुद तब खुश होते हैं, जब दूसरे पीड़ा में दिखाई दें। वैष्णव जन तो तेने कहिए रे, पीर पराई जाने रे, इस भजन के मायने हिंदू को जगाने वाले बेहूदा अभियान में गुम हो चुके हैं। राहुल गांधी के शब्दों में कह सकते हैं कि पूरे देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है और चिंगारी लगने की देर है। अब ये चिंगारी बार–बार भड़कती हुई दिख रही है। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि में दीवाली उत्सव में रंगोली सजाने और दीयों के जलाने पर छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि एक गुट रंगोली मिटाने और दीयों को बुझाने की कोशिश कर रहा था, जिसमें दोनों के बीच झड़प हुई। आरोप का सच और झूठ तो जांच का विषय है, लेकिन यह साफ दिख रहा है कि देश के शैक्षणिक संस्थानों में धर्मांधता के पागलपन का वायरस अच्छे से घुसा दिया गया है।

प्रियंका की चुनावी सियासत का आगाज़

अपने बड़े भाई राहुल गांधी की केरल के वायनाड की छोड़ी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिये प्रियंका गांधी–वाड्रा ने बुधवार को परचा भरकर अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत कर दी है

अपने बड़े भाई राहुल गांधी की केरल के वायनाड की छोड़ी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिये प्रियंका गांधी–वाड्रा ने बुधवार को परचा भरकर अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत कर दी है।

परिवारवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी को एक और हमले का अवसर देते हुए कांग्रेस ने प्रियंका को मैदान में उतारा तो है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक प्रियंका का पलड़ा इस कदर भारी बतला रहे हैं कि भारतीय संसद पहली बार एक नहीं, दो नहीं बल्कि गांधी–नेहरू परिवार के तीन सदस्यों को एक साथ देखने जा रही है। राहुल ने 2024 का आम चुनाव वायनाड के साथ रायबरेली से लड़ा था। दोनों सीटों पर जीतने के बाद उन्होंने वायनाड की सीट छोड़ दी जहां से वे 2019 में भी निर्वाचित हुए थे। उस बार भी वे दो जगहों से चुनाव लड़े थे। दूसरा लोकसभा क्षेत्र अमेठी था, जहां उन्हें स्मृति ईरानी ने हराया था।

1998 से रायबरेली का प्रतिनिधित्व कर रही उनकी मां सोनिया गांधी इस साल हुए चुनाव में खड़ी नहीं हुईं परन्तु उन्हें पार्टी ने राज्यसभा में भेजा है। यदि वायनाड में होने जा रहे उपचुनाव में प्रियंका जीत जाती हैं तो वे परिवार की तीसरी मौजूदा सांसद होंगी।

वे बेशक गांधी परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से चुनावी प्रबंधन में अपनी कुशलता का परिचय दिया है। आकर्षक व्यक्तित्व की धनी प्रियंका सड़कों पर संघर्ष करना जानती हैं, विमर्श रचती हैं, भाजपा के आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देती हैं और मुद्दों को लेकर सरकार पर टूट पड़ती हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान पार्टी की बतौर महासचिव उन्होंने सबसे पहले उत्तर प्रदेश का जिम्मा सम्हाला। हालांकि 2019 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व में कांग्रेस को बहुत सफलता नहीं मिल सकी थी। इसके कारण काफी लोगों को लगने लगा था कि प्रियंका में वह बात नहीं है जिसकी उम्मीद थी। भाजपा के लिये यह विशेष संतोष की बात थी। नाकामी से विचलित हुए बिना प्रियंका ने अपनी लड़ाई का मुंह सड़कों की तरफ़ मोड़ दिया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के साथ महिला सुरक्षा और उनके साथ होने वाले अत्याचारों को लेकर वे मुखर रहीं। उग्र में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा चाहे विशेष कामयाब न हो पाया परन्तु उन्होंने प्रदेश में होने वाले बलात्कारों तथा उत्पीड़न के खिलाफ जोरदार आवाज़ें उठाईं। प्रशासन ने कई जगहों पर उन्हें जाने से रोकने की कोशिशें की थीं, पर वे हाथरस, उन्नाव आदि गयीं और अपनी कटिबद्धता व साहस का परिचय देती रहीं।

ऐसा नहीं है कि उन्हें राजनीतिक समझ उनके पिता राजीव गांधी की तरह सक्रिय राजनीति में उतरने के बाद हुई। जब राजीव प्रधानमंत्री बने तो वे बहुत छोटी उम्र में उनके साथ पिता के चुनावी क्षेत्र अमेठी जाया करती थीं। उनके परिवार के प्रति लोगों के अनुराग को उन्होंने नज़दीक से देखा था और उनमें देश के प्रति दायित्व की समझ कम उम्र में विकसित हो गयी थी। उन्होंने अपने भाई के साथ–साथ पहले दादी इंदिरा गांधी और बाद में राजीव की शहादत को भी देखा था। निराशा व नाराज़गी के बावजूद उन्होंने देश के लिये परिवार के इन दो लोगों के त्याग का महत्व समझा।

देश के प्रथम राजनीतिक परिवार की सदस्य होने के नाते सियासत का प्रशिक्षण उन्हें स्वाभाविकतः बचपन से ही मिलता गया। इसका लाभ लेते और उसका प्रदर्शन करते हुए प्रियंका लगातार सक्रिय रहीं। कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में उन्होंने जमकर चुनाव प्रचार किया। यह अलग बात है कि उनकी पार्टी को कहीं सफलता मिली तो कहीं असफलता, लेकिन उनके करिश्माई व्यक्तित्व के ज्यादातर लोग मुरीद होते गये। मौजूदा लोकसभा में यदि कांग्रेस की सदस्य संख्या लगभग दोगुनी हुई है तो उसमें राहुल एवं कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ प्रियंका के भी योगदान से कोई इंकार नहीं कर सकता। वैसे प्रियंका का चुनावी प्रबन्धन का 35 वर्षों का अनुभव है– कभी अपनी मां सोनिया तो कभी राहुल के लिये। इस बार उन्होंने अमेठी में किशोरीलाल शर्मा को जीत दिलाई थी।

पिछले दिनों राहुल द्वारा की गयी दो पदयात्राओं के दौरान जो विमर्श गढ़ा गया तथा जिसे लोकसभा में सांसद के तौर पर स्वयं राहुल व कांग्रेस ने बढ़ाया, उसे सड़कों पर प्रियंका ने मजबूती दी। राहुल जिस प्रकार महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय आदि की बातें उठाते रहे, उसमें अपना सशक्त स्वर प्रियंका ने मिलाया है। मोदी सरकार तथा देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों के खिलाफ भी बेखौफ होकर प्रियंका ने अपनी रैलियों में आवाज़ उठाई। वायनाड सीट पर राहुल दो बार चुनाव जीत चुके हैं।

उनका यहां अच्छा खासा प्रभाव है– बावजूद इसके कि वे यह सीट छोड़ चुके हैं। इसलिये प्रियंका जब यहां नामांकन भरने पहुंची तो उस मौके पर आयोजित रोड शो के रूप में जो जनसैलाब उमड़ा, उसने इस बात का आभास दे दिया है कि चुनावी परिणाम क्या होगा।

प्रियंका की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दिनों एक सभा में खुद राहुल ने कहा था कि 'यदि प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़तीं (2024 का), तो मोदी संसद में नहीं होते।' वायनाड में राहुल की ताकत तो उनके साथ होगी ही, जिन्होंने 2019 में 4.1 लाख और 2024 में 3.64 लाख वोट पाये थे। प्रियंका यदि 13 नवम्बर को होने वाले उपचुनाव में (परिणाम 23 नवम्बर को) जीतकर लोकसभा पहुंचती हैं तो यह भाजपा, विशेषकर मोदी के लिये नयी मुसीबत होगी। जो मोदी–भाजपा अकेले राहुल के संसद के भीतर हमलों से पहले ही हलाकान हैं, भाई–बहन का दोहरा हमला कैसे झेलेंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

रोइंग चैंपियनशिप

रामगढ़ताल की लहरों पर पदकों के लिए जोर–आजमाइश, खेल मंत्री ने कहा, UP के लिए ये बड़ी उपलब्धि

गोरखपुर । रामगढ़ताल में आयोजित सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का उद्घाटन बुधवार को प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने किया। बृहस्पतिवार से सिंगल व डबल स्कल्स, कॉक्सलेस पेयर व कॉक्सलेस फोर की प्रारंभिक स्पर्धाएं शुरू हो जाएंगी। प्रतियोगिता में 19 राज्यों के 245 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। इनमें 30 पदकों के लिए टीमों में जोर–आजमाइश होगी। 26 अक्तूबर को समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। उद्घाटन अवसर पर खेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए बनाई गईं नीतियों से इस क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। जल्द ही रामगढ़ताल रोइंग समेत जल क्रीड़ा की गतिविधियों के एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित होगा और यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन संभव होगा।

उन्होंने कहा कि रोइंग के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के कई खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। रोइंग में पदक जीतने वाले मुजफ्फरनगर के पुनीत कुमार बालियान को प्रदेश सरकार ने लक्ष्मण अवॉर्ड से सम्मानित किया है। वह खेल कोटा से देवरिया में जिला युवा कल्याण अधिकारी के पद पर तैनात हैं। कहा कि अभी हाल ही में प्रदेश

सरकार ने ओलंपिक, पैराओलंपिक तथा एशियन गेम्स में पदक विजेता खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी बनाए हैं।

ट्रॉफी का किया अनावरण

खेल मंत्री ने चैंपियनशिप की ट्रॉफी का अनावरण किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन की अध्यक्ष रानी पक्षालिका सिंह (भाजपा विधायक) ने स्मृति चिह्न प्रदान कर किया। उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा व आयोजन सचिव पुनीत कुमार ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर विधायक महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, यूपीआईआरए उपाध्यक्ष राणा राहुल सिंह, तमिलनाडु रोइंग के बालाजी, आरएसओ आले हैदर आदि मौजूद रहे।

पहली बार शामिल हो रही मेघालय की टीम

आयोजन सचिव पुनीत कुमार ने बताया कि चैंपियनशिप में मेघालय की छह सदस्यीय टीम पहली बार चुनौती पेश करेगी। सबसे बड़ी महाराष्ट्र की 44 सदस्यीय टीम है। वहीं, कुछ व्यक्तिगत कारणों से जम्मू–कश्मीर की टीम भाग नहीं ले रही है।

रामगढ़ताल में आयोजित होगा रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता। बुधवार सुबह सभी टीमों ने रामगढ़ताल में अभ्यास किया। चैंपियनशिप में बालक व बालिका दोनों वर्गों में सिंगल स्कल्स, डबल स्कल्स, कॉक्सलेस पेयर, कॉक्सलेस 4 के साथ अंडर–13 डबल्स स्कल्स की स्पर्धाएं होंगी। पहले दिन बृहस्पतिवार को सिंगल व डबल स्कल्स, कॉक्सलेस पेयर व कॉक्सलेस–4 की प्रारंभिक स्पर्धाएं सुबह आठ बजे से शुरू हो जाएंगी

जमीन का अवैध धंधा

गैंगस्टर की जब्त जमीन पर भी होने दी प्लाटिंग, जांच शुरू तो सभी 'खामोश'– SP City कर रहे जांच

गोरखपुर। मोहद्दीपुर स्थित मकान को सील करने के बाद तहसीलदार सदर ने एक मई 2023 को महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर–दो में स्थित ओमप्रकाश के हिस्से की 54 डिस्मिल भूमि को जब्त किया था। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को रिसीवर नियुक्त किया था। इसी जमीन पर प्लाटिंग कर अवैध तरीके से बेच दी गई। जांच कर रहे एसपी सिटी रिपोर्ट देने के लिए सदर तहसील प्रशासन को तीन रिमाइंडर भेज चुके हैं। गैंगस्टर एक्ट में ओमप्रकाश पांडेय की जब्त भूमि पर प्लाटिंग कैसे हुई, किसने इसकी अनुमति दी और कौन दोषी है। तहसील प्रशासन इसकी जानकारी नहीं दे रहा है। मामले की जांच कर रहे एसपी सिटी रिपोर्ट देने के लिए सदर तहसील प्रशासन को तीन रिमाइंडर भेज चुके हैं। देरी की वजह अधिकारियों की व्यस्तता बताई जा रही है। मोहद्दीपुर निवासी ओमप्रकाश पांडेय पर भूमि बेचने का झांसा देकर ठगी करने के कई केस दर्ज होने के बाद कैंट थाने की पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। थानेदार की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने ओमप्रकाश के मकान व भूमि के साथ ही सभी संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया था।

मोहद्दीपुर स्थित मकान को सील करने के बाद तहसीलदार सदर ने एक मई 2023 को महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर–दो में स्थित ओमप्रकाश के हिस्से की 54 डिस्मिल भूमि को जब्त किया था। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को रिसीवर नियुक्त किया था। जब्ती की कार्रवाई के बाद तहसील प्रशासन ने डुगडुगी पिटवाकर आसपास के लोगों को कार्रवाई की जानकारी देने के साथ ही भूमि पर बोर्ड भी लगवाया था, जिसे हटाकर मोहल्ले में रहने वाले कुछ लोगों ने प्लाटिंग कर दी। जमानत पर छूटने के बाद ओमप्रकाश ने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी तो हड़कंप मच गया। आनन–फानन में बैकहो लोडर से ईंट हटा दी गई। अधिकारियों के निर्देश पर एसपी सिटी अभिनव त्यागी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

इस शख्स के निशाने पर है देशभर की महिला आईएएस... करता है ये 'गंदी हरकत', पुलिस भी हैरान

गोरखपुर। देशभर की महिला आईएएस एक सिरफिरे के निशाने पर है। सिरफिरा महिला आईपीएस पर अश्लील कमेंट कर रहा है। गोरखपुर के एसपी सिटी ने एक्स को मेल भेजकर आरोपी की जानकारी मांगी है। एक्स पर सक्रिय सिरफिरे के निशाने पर देशभर की महिला आईएएस अफसर हैं। वह अश्लील कमेंट कर उनको परेशान कर रहा है। खुद को भ्रष्टाचार विरोधी बताने वाला सिरफिरे ने गोरखपुर में तैनात रहीं एक आईएएस के बारे में भी अश्लील कमेंट किए हैं।

संज्ञान लेकर साइबर सेल और थाने ने जांच शुरू की है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने आरोपी की पहचान के लिए एक्स को ईमेल भेजकर आईपी एड्रेस मांगा है। जानकारी के अनुसार, सिरफिरे ने सोशल मीडिया के एक्स पर स्टॉप करप्शन नाम से प्रोफाइल बनाया है।

उसके निशाने पर सिर्फ महिला आईएएस हैं। इसके अलावा उसने कभी पुरुष अफसर पर कोई कमेंट नहीं किया है। वह देशभर की कई आईएएस पर अश्लील कमेंट कर चुका है।

महिला आईएएस पर अश्लील कमेंट

इसके बाद भी अभी तक कहीं भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी बीच उसने सीएम सिटी का जिक्र करते हुए एक महिला आईएएस पर अश्लील कमेंट कर दिया। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गोरखपुर पुलिस ने पूरे प्रकरण का संज्ञान लिया।

आखिर कौन है ये ?

साइबर थाने के एक्सपर्ट स्क्रीनशॉट लेकर अब यह जानकारी करने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह कौन है। इस तरह की हरकत वह क्यों कर रहा है। एक्स को रिपोर्ट करने के बाद भी उसकी गतिविधि पर रोक नहीं लग पाई है। इसलिए पुलिस ने अब लीगल मेल करके जानकारी मांगी है। ताकि आगे की कार्रवाई हो सके।

एक्स पर महिला आईएएस पर टिप्पणी करने की जानकारी हुई है। साइबर एक्सपर्ट पूरे प्रकरण की जांच कर रहे हैं। एक्स को जानकारी के लिए मेल किया गया है। जांच कर पुलिस आरोपी पर कार्रवाई करेगी।

–अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

दौराई, नारंगी और अंबाला के लिए चलेंगी दिवाली स्पेशल ट्रेन

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 05273/ 05274 दरभंगा–दौराई–दरभंगा पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन दरभंगा से 26 अक्तूबर और दो नवंबर शनिवार को किया जाएगा। वापसी में दौराई से 27 अक्तूबर और तीन नवंबर रविवार को दो फेरों के लिए यह ट्रेन चलाई जाएगी। दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए रेलवे प्रशासन स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर रहा है। इसी क्रम में दौराई, नारंगी और अंबाला कैंट के लिए विभिन्न तिथियों पर दिवाली स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

गोरखपुर के मोती पोखरे ने 17 दिनों में बदली सूरत

पोखरे में काई की मोटी परत से पानी नहल दिखता था, अब वर्षों पहले डूबी नांव भी दिख रही
साउथ अफ्रीका में तालाबों को साफ करने वाली फर्म आरइजीएएल तकनीक से कर रही सफा

संवाददाता, गोरखपुर। महीने, डेढ़ महीने पहले शहर के बशारतपुर मोहल्ले में स्थित मोती पोखरे को देखने वाले लोग अब उसकी सूरत देखकर यकीन ही नहीं करेंगे कि यह वही पोखरा है। काई की मोटी परत से जिस पोखरे में पानी नहीं दिखता था 17 दिन बाद अब वहां वर्षों पहले डूबी नाव भी साफ दिखाई दे रही है।

नगर निगम ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस पोखरे की सफाई की जिम्मेदारी साउथ अफ्रीका में तालाब और पोखरों को शोधित कर स्वच्छ बना रही गुजरात की कंपनी वेलिएंट इंटैक प्राइवेट लिमिटेड को दी थी।

तय हुआ था कि पोखरे की सफाई ठीक से हुई तो फर्म की पेटेंट तकनीक 'आरईजीएएल' यानी रेडिकल एन्हांसमेंट यूसिंग गैस असिस्टेड लिक्विड डिस्पर्सन' से ही शहर के दूसरे पोखरे की भी सफाई कराई जाएगी। फिलहाल फर्म अपने खर्च पर 24 सितंबर को इस पोखरे की सफाई शुरू की थी और 25 दिन में इसकी सूरत बदल गई है। यद्यपि, अनुबंध के मुताबिक पोखरे की सफाई 90 दिन चलेगी।

प्रोजेक्ट की निगरानी कर रहे परम देसाई का दावा है कि जांच में पोखरे में बीओडी (जैव रासायनिक आक्सीजन मांग) 65 से घट कर नौ पीपीएम और सीओडी (रासायनिक आक्सीजन मांग) 170 से घट कर 10.1 पीपीएम और अमोनिया की मात्रा भी खतरनाक स्तर 1.8 पीपीएम से घट कर 0.01 पीपीएम रह गई है। उन्होंने बताया कि दशकों पुराने मोती पोखरे को स्वच्छ बनाने के लिए नैनो बबल्स की शक्ति, उत्प्रेरक के रूप में अल्ट्रासाउंड और फ्री रेडिकल्स का उपयोग किया जा रहा। टीम अल्ट्राउंड मशीन से 20 हजार से 30 हजार मेगा हर्त्ज की ध्वनियां पोखरे के जल में उत्पन्न कर ई–कोलाई बैक्टीरिया के सेल को क्षतिग्रस्त कर रही है। निरंतर चलने वाली इस प्रक्रिया से ई–कोलाई मृत हो जाते हैं। दूसरी ओर नैनो बबल तकनीक का 'एरेटर' की मदद से इस्तेमाल जारी है। एरेटर कोरोना वायरस से भी छोटे–छोटे बुलबुलों की मदद से आक्सीजन पानी के तल तक पहुंचाता है। इससे जल में आक्सीजन की मात्रा में वृद्धि के साथ लाभकारी बैक्टीरिया को पनपने और उसे खुद को तेजी से विस्तारित करने में सफलता मिलेगी। लाभकारी बैक्टीरिया पोखरे के तल में जमा गंदगी (सीओडी एवं बीओडी) को भोजन के रूप में इस्तेमाल करते

हैं, जिससे पोखरे की सफाई होने के साथ जल का घनत्व भी बढ़ जाता है।

सफाई के बाद पोखरे का सुंदरीकरण कराएगा निगम

करीब सवा एकड़ क्षेत्रफल में स्थित मोती पोखरे की सफाई का कार्य पूरा होने के बाद नगर निगम प्रशासन इसका सुंदरीकरण कराएगा। निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान के मुताबिक पोखरें के किनारे–किनारे पाथवे बनाने के साथ ही वहां बैठने के लिए बेंच लगाए जाएंगे। पोखरे के चारों तरफ आकर्षक लाइटें लगाने के साथ ही पोखरा में दोबारा गंदगी न हो इसलिए इसमें गिरने वाली नालियों के पानी को टैप किया जाएगा। इसे सुरक्षित करने के भी प्रबंध किए जाएंगे।

शिवपाल सिंह बोले- हार के डर से अधिकारियों को आगे कर रही भाजपा, धमका कर जनता से समर्थन नहीं ले पाएंगे

लखनऊ। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने उपचुनाव को लेकर एक बार फिर प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि हम जिला प्रशासन की शिकायत चुनाव आयोग से करेंगे। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने अपने दौरे के दूसरे दिन भी जिला प्रशासन को निशाने पर रखा। बुधवार सुबह उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि कटेहरी उपचुनाव को लेकर प्रशासन की भूमिका ठीक नहीं है। ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि भाजपा चुनाव को लेकर डरी हुई है इसीलिए वह प्रशासन को आगे कर रही है लेकिन प्रशासन और भाजपा दोनों को याद रखना चाहिए कि दबाव डालकर और धमका कर जनता से समर्थन हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और आम लोगों के घर छापे डलवाए जा रहे हैं तो बड़े लोगों से हमदर्दी की जा रही है। किसान परेशान हैं। युवाओं के पास नौकरी नहीं है। इन सब पर सरकार और प्रशासन का ध्यान नहीं है सिर्फ उत्पीड़न पर जोर है। शिवपाल सिंह ने कहा कि प्रशासन और कार्यकर्ता में फर्क होता है। यह अंतर बने रहने देना चाहिए। यहां उपचुनाव से पहले जिला प्रशासन की जो भूमिका है उससे सपा कार्यकर्ताओं और आम जनता परेशान नहीं होने वाली है। मैं आज वापस जा रहा हूं लेकिन दो तीन दिन में वापस आऊंगा। इसके बाद यहीं डटूंगा तब देखूंगा कि प्रशासन किस तरह से मनमानी कर पाता है। इस बीच जिला प्रशासन की शिकायत चुनाव आयोग से होगी। आयोग की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे मामलों को तेजी से देखे।

शानदार जल प्रबंधन के लिए यूपी को मिला राष्ट्रीय जल अवार्ड

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय जल पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को मिला दूसरा स्थान
जल प्रबंधन की दिशा में किए गए शानदार कार्यों के लिए किया गया सम्मानित

लखनऊ। 22 अक्टूबर जल प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जल पुरस्कार से नवाजा गया है। ग्रामीण इलाकों में घर–घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने के साथ जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में शानदार काम के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरा स्थान मिला है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव और आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से राष्ट्रीय जल पुरस्कार ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उड़ीसा को पहला और गुजरात एवं पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला।

इस मौके पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने हर घर तक नल से जल पहुंचाने की मुहिम में किए गए कार्यों और और जल संरक्षण की दिशा में किए गए अभिनव प्रयोगों की तारीफ की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भी उत्तर प्रदेश द्वारा बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में घर–घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने और जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों को सराहा।

इस उपलब्धि के लिए मिला पुरस्कार

जल संरक्षण और जल प्रबंधन के साथ–साथ उत्तर प्रदेश ने 2023 में सबसे तेजी से राज्य के 17900 गांवों को हर घर नल से जल पहुंचाने का कीर्तिमान स्थापित किया था। 2023 में डायरेक्टर ग्राउंड वाटर और सचिव नमामि गंगे रहते हुए डॉ. बलकार सिंह ने जल संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए कई अभिनव प्रयोग किए थे। जिसका लाभ जल प्रबंधन के साथ–साथ किसानों को सिंचाई में भी मिला। प्रदेश में सिंचाई की व्यवस्था बेहतर करने के लिए कुल 6000 से अधिक चेक डैम और 1000 तालाबों का निर्माण किया गया। इसके अलावा जल संरक्षण के लिए 31360 सरकारी भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण किया गया। 2022 से 2023 में 5 ब्लॉक अतिदोहित और क्रिटिकल श्रेणी से हटाए गए।

साथ ही 34 शहरों के औसत भूजल स्तर में सुधार हुआ। प्रदेश में 27,368 पारंपरिक जल निकायों का पुनरुद्धार किया गया। 17279 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया। यही वजह थी कि राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार ग्रहण करने के लिए अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे के साथ तत्कालीन डायरेक्टर ग्राउंड वाटर, सचिव नमामि गंगे डॉ. बलकार सिंह मौजूद थे।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत उत्तर प्रदेश 22 अक्टूबर, 2024 तक 2 करोड़ 27 लाख 77 हजार 194 ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंच चुका है। जिससे 13.66 करोड़ ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो रहा है। इससे पहले हाल ही में राज्य स्वच्छता एवं पेयजल मिशन को इंटरनेशनल ट्रेड शो में बेस्ट डिस्प्ले अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

गोरखपुर के औद्योगिक गलियारे में बढ़ेगा भूमि बैंक

शासन से मिले 481 करोड़ रुपये

तीन गांवों में खरीदी जाएगी 531 एकड़ जमीन
किसानों से बातचीत कर जल्द शुरू की जाएगी प्रक्रिया

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में नई औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि बैंक बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होने जा रहा है। गीडा की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर सहमति देते हुए शासन ने औद्योगिक गलियारे में जमीन खरीदने के लिए 481 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

इसमें से 400 करोड़ रुपये जारी भी कर दिए गए हैं। जल्द ही गीडा प्रबंधन किसानों से बातचीत कर लगभग 531 एकड़ जमीन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। बदले माहौल के बाद उद्यमी गोरखपुर में निवेश की इच्छा जता रहे हैं। हर महीने कुछ नई कंपनियों की ओर से गीडा प्रबंधन से संपर्क किया जा रहा है। बिसलेरी की ओर से बाटलिंग प्लांट लगाने की योजना है। कोका कोला की बाटलिंग कंपनी की ओर से प्लास्टिक रिसाइकिलिंग इकाई लगाई जाएगी। इसके साथ ही कुछ अन्य कंपनियों ने भी जमीन की जरूरत बताई है। इनके लिए गीडा की ओर से आवेदन आमंत्रित किया जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे लगभग तैयार हो चुका है। इसके बाद अब उसके दोनों ओर औद्योगिक गलियारा विकसित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

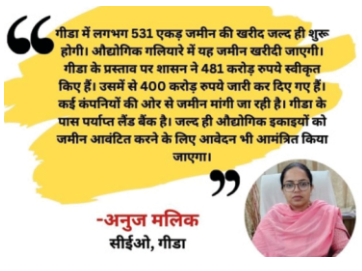

इस क्षेत्र में प्राधिकरण ढाई सौ एकड़ से अधिक जमीन पहले ही खरीद चुका है। अब बजट मिल जाने के बाद नए सिरे से जमीन की खरीद शुरू की जाएगी।

इन गांवों में होगी खरीद

गीडा को मिले बजट से भगवानपुर गांव में दूसरे चरण की खरीद शुरू होगी। इस बार 94.587 हेक्टेयर यानी लगभग 233 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी जाएगी। इसी प्रकार लंबे इंतजार के बाद तालनवर में भी खरीद शुरू हो जाएगी। यहां प्रथम चरण में 50 हेक्टेयर यानी लगभग 123 एकड़ से अधिक जमीन की खरीद होनी है। भीटी रावत गांव में भी प्रथम चरण की जमीन खरीदी जाएगी। इस गांव में 28 एकड़ से अधिक जमीन की खरीद की जानी है। गीडा माही गांव में भी दूसरे चरण की खरीद शुरू करेगा। यहां 123 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी जाएगी।

लगभग 450 एकड़ का है लैंड बैंक

गीडा में लगभग 450 एकड़ लैंड बैंक पहले से मौजूद है। इसमें से नई इकाइयों के लिए आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है। औद्योगिक गलियारे में विकसित किए जा रहे प्लास्टिक पार्क में लगभग आधे भूखंड खरीदे जा चुके हैं। यहां विकास कार्य भी अंतिम चरण में है।

इसके साथ ही धुरियापार में सेक्टरवार विकास की रूपरेखा खींची जा चुकी है। गीडा यहां 5500 एकड़ में औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने जा रहा है। इसकी महायोजना को जल्द ही गीडा बोर्ड से अनुमोदन मिल जाएगा। तीन गांवों में यहां भी खरीद शुरू हो चुकी है।

इसी जगह इलेक्ट्रानिक सिटी विकसित करने की योजना है। इसके साथ ही अदाणी समूह की ओर से सीमेंट बनाने की इकाई स्थापित की जाएगी। समूह को धुरियापार चीनी मिल के बगल में 65 एकड़ जमीन दी जा रही है। टेक्नोप्लास्ट की ओर से भी इकाई लगाने की तैयारी चल रही है।

हाइकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को लगा झटका

मथुरा,संवाददाता। श्रीकृष्ण जन्मभूमि–ईदगाह केस के रिकॉल प्रार्थनापत्र पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। फैसले से मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। हाईकोर्ट ने रीकॉल अर्जी खारिज कर दी है। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुना दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की रीकॉल अर्ज़ी खारिज कर दी है।

11 जनवरी 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष ने रीकॉल अर्जी दायर की थी। 15 याचिकाओं को लेकर रिकॉल अर्जी दाखिल हुई थी। 16 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। बुधवार को इस पर फैसला सुना दिया है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद के पक्षकार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया, न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ के समक्ष मंदिर और मस्जिद पक्ष की तरफ से बहस की गई थी। पक्ष ने आर्डर सात रूल 11 के तहत दिए गए प्रार्थना को खारिज कर स्वामित्व से जुड़े 15 सिविल वादों को एक साथ सुने जाने के कोर्ट के निर्णय खिलाफ रीकॉल प्रार्थना पत्र दाखिल किया था।

मंदिर पक्ष की तरफ से कहा गया कि रीकॉल प्रार्थना पत्र मामले को उलझाए रखने के लिए है। रीकॉल प्रार्थना पत्र किसी आदेश को वापस लेने के लिए दी जाती है। अदालत रीकॉल प्रार्थना पत्र निस्तारण करने के बाद सिविल वादों को लेकर वाद बिंदु तय करेगी। मंदिर पक्ष ने वाद बिंदु दे दिए हैं। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट इसे खारिज कर दिया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ लेजिस्लेटिव ट्रेनिंग एंड रिसर्च (ILDR) की ओर से उत्तर प्रदेश अध्ययन भ्रमण पर आए विद्यार्थी विभाग के प्रशिक्षु अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मंगलवार को शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों ने विधायिका के कार्यों और विधान प्रक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

'सत्ताईस का सत्ताधीश' अब लखनऊ में लग गए अखिलेश यादव के पोस्टर

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन पर यूपी की राजधानी लखनऊ में होर्डिंग्स लगाए गए हैं। यह होर्डिंग्स चर्चा का विषय बने हैं। एक होर्डिंग्स सपा कार्यालय के पास और दूसरा अखिलेश यादव के घर के पास लगा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सपा सांसद अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने अपने नेता को बधाई देने के लिए पोस्टर लगाए हैं। लखनऊ में पार्टी कार्यालय के पास लगा पोस्टर काफी अलग है। पोस्टर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर और 'सत्ताइयों का सत्ताधीश' लिखा हुआ है।

समाजवादी पार्टी (सपा) मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन पर लगाए गए होर्डिंग्स ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। इन होर्डिंग्स में अखिलेश यादव को 2027 का सत्ताधीश के रूप में दिखाया गया है। पोस्टर में लिखा है कि 2024 में "बरसा जनता का आशीष, दीवारों पर लिखा है सत्ताईस का सत्ताधीश कौन होगा..." इस पोस्टर में अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई संस्कृत में भी दी गई है। लिखा है कि "त्वं जीव शतं वर्धमानः जीवनं तव भवतु सार्थकम् इति सर्वदा मुदं प्रार्थयामहे जन्मदिवसस्य अभिनन्दनानि"।

बताया जा रहा है कि जयराम पांडेय नाम के नेता ने यह पोस्टर लगाई हैं। यह संतकबीरनगर के मेंहदावल विधानसभा इलाके के रहने वाले हैं। इन पोस्टर्स ने राजनीतिक चर्चा का माहौल गर्म कर दिया है। इससे पहले भी सपा नेताओं ने कई बार पोस्टर लगाए हैं। इससे पहले भी एक पोस्टर चर्चा में आया था, जिसमें अखिलेश यादव को भावी प्रधानमंत्री बताया गया था। पोस्टर लिखा था कि देश के भावी प्रधानमंत्री आदरणीय अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं, आप हैं..विश्वास है..'।

नाक काटने की वजह भी बताई 12 साल पहले हुई इस बात से था नाराज

मुरादाबाद। मुरादाबाद में पुलिस ने किसान की हत्या का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने पड़ोसी को गिरफ्तार किया है। पड़ोसी ने चौंकने वाला खुलासा किया है। मुरादाबाद के पाकबड़ा नगर के बड़ा मंदिर मोहल्ला निवासी किसान घनश्याम सिंह सैनी की हत्या 12 साल पहले पुरानी रंजिश में उनके ही पड़ोसी ने की थी। आरोपी ने पूछताछ में कबूला है कि 12 साल पहले उस पर एक युवती से छेड़खानी का आरोप लगा था। घनश्याम ने गले में जूते चप्पल की माला पहनाई थी और मुंह पर कालिख पोत दी थी। उसी अपमान का बदला लेने के लिए घनश्याम को मारा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घनश्याम सैनी खेतीबाड़ी के अलावा पाकबड़ा के साप्ताहिक बाजार की ठेकेदारी भी करते थे। 16 अक्तूबर की रात घटना से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने साप्ताहिक बाजार में उगाही करने के बाद अन्य ठेकेदारों के साथ बैठ कर रुपयों का बंटवारा किया था। बाजार में घनश्याम के अलावा कई और ठेकेदार भी शामिल थे। पुलिस ने इस मामले में 100 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की और सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। घटना वाली रात मोहल्ले में रहने वाला मनवीर सैनी दिखाई दिया।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसने पुलिस को बताया कि 12 साल पहले एक युवती से छेड़खानी के मामले को लेकर उसे जूते चप्पलों की माला पहनाकर मुंह पर कालिख लगाकर पूरे मोहल्ले में घुमाया गया था। इसी का बदला लेने को उसने हत्या कांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने चाकू और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं।

तीन साल पहले राजस्थान में खरीदा चाकू

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने यह चाकू तीन साल पहले राजस्थान से खरीदा था और वह पिछले तीन साल से घनश्याम सिंह की हत्या की योजना बना रहा था। मनवीर सैनी ड्राइवर है और वह ट्रक चलाता है। उसके घर में उसके मां–बाप है और कोई नहीं है। उसकी शादी नहीं हुई है और वह पूरा दिन जब घर पर रहता था तो दर्द भरे गानों को तेज आवाज में सुनता था। वह लगातार अपने अपमान का बदला लेने की तलाश में था। आरोपी मनवीर सैनी ने बताया कि उसे घनश्याम सिंह को मारने का सही मौका नहीं मिल रहा था। जब उसे मौका मिला तो वह देर रात घनश्याम सिंह के पीछे–पीछे खेत पर चला गया और वहां उसकी हत्या कर दी।

हत्या करने के बाद काटी नाक

आरोपी ने बताया कि उसने चाकू से हमलाकर घनश्याम की हत्या की थी। इसके बाद उसने घनश्याम की नाक इसलिए काटी थी कि वह अपमान का बदला लेना चाहता था। 12 साल पहले मेरे साथ हुई घटना में सबसे आगे घनश्याम सैनी थे। उस घटना के बाद मैंने कुछ दिन के लिए पाकबड़ा छोड़ दिया था और ट्रक चलाने लगा था, लेकिन मन में हर पल उस अपमान को याद करता था।

पप्पू यादव के बाद सलमान-लॉरेंस विवाद में कूदे बृजभूषण

गोंडा। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गोंडा में बड़ा दावा किया है। बृजभूषण ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई और सलमान खान आपस में मिले हैं। ये टीआरपी का खेल है। चर्चा से दोनों को लाभ मिल रहा है। कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और सिने स्टार सलमान खान आपस में मिले हुए हैं। दोनों की जुगलबंदी टीआरपी के खेल में शामिल है। खींचतान भरी चर्चा से माहौल में गर्मी के साथ–साथ दोनों को फायदा भी हो रहा है।

बृजभूषण ने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम को फ्रॉड गैंग बताया है। दूसरी तरफ जम्मू–काश्मीर में अनुच्छेद 370 पर राय देते हुए कहा कि इसे कोई भी खत्म नहीं कर सकता। गोंडा जिले में विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से वार्ता के दौरान उन्होंने यह दावा किया। सलमान और लॉरेंस के बीच चल रहे विवाद को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इन दोनों लोगों का काम हो रहा है। सलमान खान की भी टीआरपी बढ़ रही है और लॉरेंस बिश्नोई की भी टीआरपी बढ़ रही है। टीआरपी बढ़ाने के लिए यह दोनों लोग मिलकर आपस में काम कर रहे हैं। दिल्ली में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास से सामान चोरी होने को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि देखिए मैं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गंभीरता से नहीं लेता हूं।

भले वह मुख्यमंत्री रहे हों, भले वह दोबारा मुख्यमंत्री बने। लेकिन मैं उसको एक फ्रॉड मानता हूं। यह दुर्भाग्य है कि कुछ लोग आए और आदर्शवादी तरीके से आए। पहले कहते थे कि गाड़ी नहीं लूंगा, बंगला नहीं लूंगा, सिक्योरिटी नहीं लूंगा। बाद इन्होंने गाड़ी भी ली, बंगला भी लिया, सिक्योरिटी भी ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अनुच्छेद 370 खत्म करने वाले बयान पर कहा कि 370 को इस दुनिया में अब कोई समाप्त नहीं कर सकता है। बहुत सोच समझ के ही जनहित में लिया गया निर्णय है। यह उसी परिवार से आते हैं जो आज समस्या बन के गले में अटकी हुई है। वहीं, हरियाणा चुनाव को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि हरियाणा के चुनाव ने इनका मनोबल तोड़ दिया है, अब उनके नेता छटपट–छटपट कर रहे हैं।

'सलमान खान और लारेंस मिले हुए हैं... ये टीआरपी का खेल है', बृजभूषण सिंह का दावा

पत्नी का कत्ल: साहब! मैंने राखी को इसलिए मार डाला...

तीन बच्चों को साथ लेकर थाने पहुंचा कातिल पति, पुलिस हैरान

मुरादाबाद। संभल में एक युवक ने पत्नी की अवैध संबंध के शक में हत्या कर दी। हत्या के बाद तीन बच्चों के साथ थाने पहुंच गया। महिला के परिजनों ने मकान बंटवारे में हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। संभल में पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या करने के बाद तीन बच्चों के साथ थाने पहुंचकर युवक ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति से संबंध थे, इस वजह से उसने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने महिला के भाई की तहरीर के आधार पर पति, सास–ससुर सहित आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सिरसी के मोहल्ला चौधरियान निवासी सोनू को शक था कि उसकी पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति से संबंध हैं। इसको लेकर दोनों में विवाद होता रहता था। मंगलवार की दोपहर भी विवाद हुआ था। इसके बाद सोनू ने अपनी पत्नी राखी (27) की चाकू से हत्या रेतकर हत्या कर दी और अपने तीन बच्चों के साथ थाने पहुंच गया। सूचना के बाद मौके पर मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के दौड़बाग गांव से पहुंचे महिला के परिजनों ने कहा कि उनकी बेटी की हत्या मकान के बंटवारे के विवाद में की गई है। दामाद बेटी पर गलत आरोप लगा रहा है। आरोप लगाया कि दामाद सोनू ने अपने परिजनों के कहने पर उनके साथ मिलकर बेटी की हत्या की है। महिला के भाई की तहरीर पुलिस ने सोनू, उसकी मां, पिता और भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और तीनों बच्चों को उनके नाना–नानी को सौंप दिया है।

पिता बोले–मकान के लिए की बेटी की हत्या

पत्नी की हत्या करने वाले सोनू को मुरादाबाद के थाना कटघर के गांव दौडबाग निवासी उसके ससुर ने चंद्रपाल ने डेढ़ साल पहले एक लाख रुपये दिए थे। ताकि सोनू अपने पुश्तैनी मकान को अपने हिस्से में लगा सके और यही राखी चाहती थी लेकिन सोनू के परिजन नहीं चाहते थे कि मकान दिया जाए। यह बात चंद्रपाल ने पुलिस को भी बताई है। चंद्रपाल ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से मकान और घेर का बंटवारा चल रहा है। चार लाख रुपये कीमत मकान की तय हुई थी और 16 लाख रुपये घेर के तय हुए थे। यह 20 लाख रुपये चार हिस्सों में बंटने थे। मकान चार लाख रुपये में मिल रहा था तो वह सोनू ने अपने हिस्से में लगा लिया था।

अब कुछ दिनों से छोटे भाई की शादी होने की बात चली तो सोनू ने अपनी पत्नी से कहा कि वह घेर में मकान बनाएंगे। यह घर छोटे भाई को दिया जाए। इसलिए विवाद चल रहा था। इसी विवाद में हत्या कर दी। एएसपी श्रीश्चंद्र का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लिया है। महिला के भाई रामकुमर की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सोनू समेत आठ के खिलाफ दर्ज हुई हत्या की रिपोर्ट

राखी के भाई रामकुमर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मकान खाली कराने के लिए सोनू कह रहा था। जब राखी ने बात नहीं मानी तो सोनू ने अपने पिता भेदा, मां सुमन और भाइयों के साथ मिलकर गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर भेदा, सुमन, सोनू, सुनील, मुकेश, लोकेश, सोमवीर और मोनू के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें सोनू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी सोनू को गिरफ्तार कर लिया है। महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। हत्या जिस चाकू से की गई है वह भी पुलिस ने बरामद किया है। आगे की कार्रवाई जारी है। –कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी, संभल

लखनऊ। यूपी उपचुनावों में कांग्रेस भागीदारी करेगी या नहीं इस बात पर संशय अभी भी बना हुआ है। इस बीच सपा ने कांग्रेस को एक और सीट देने का संकेत दिया है। उपचुनाव को लेकर कांग्रेस दबाव बनाने में कामयाब रही। कांग्रेस की प्रेशर पालिटिक्स के सामने सपा फूलपुर सीट भी देने के संकेत दिए हैं। सपा– कांग्रेस का गठबंधन कायम रहेगा, लेकिन चुनाव लड़ने पर अभी संशय बना हुआ है। उपचुनाव पर अंतिम फैसला बुधवार को होगा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी दिल्ली रवाना हो गए हैं। उपचुनाव में शामिल 10 सीटों में कांग्रेस ने पांच सीटें पर चुनाव लड़ने का दावा किया था, लेकिन समाजवादी पार्टी ने फूलपुर सहित सात सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए। कांग्रेस को सिर्फ गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीट दी। इसकी घोषणा भी सपा की ओर से ही की गई। यह देख कांग्रेस ने रुख बदला। गठबंधन की दुहाई देते हुए नाराजगी जताई। सिर्फ दो सीटें मिलने पर असंतुष्टि जताते हुए शीर्ष नेतृत्व को पत्र भी भेजा। कहा तो यहां तक गया कि कांग्रेस इन दोनों सीटों पर भी चुनाव नहीं लड़ेगी, लेकिन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने इस मुद्दे इसकी पुष्टि नहीं की। दोनों नेताओं ने इतना जरूर कहा कि वे शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा को हराने के लिए गठबंधन कायम रखेंगे।

सपा ने बदला अपना रुख

उपचुनाव को लेकर मची खींचतान को देखते हुए मंगलवार को समाजवादी पार्टी ने रूख बदला। सपा की ओर से कहा गया है कि वह कांग्रेस को फूलपुर सीट दे सकती है। हालांकि सपा यहां से उम्मीदवार के रूप में मुस्तफा सिद्दकी के नाम की घोषणा कर चुकी है। मुस्तफा वर्ष 2022 के चुनाव में फूलपुर में सपा उम्मीदवार थे और सिर्फ 2200 वोट से पराजित हुए थे। ऐसे में मुस्तफा का नाम वापस लेने का सियासी तौर पर नुकसान होने का भी अंदेशा है। ऐसे में कांग्रेस के अंदरखाने में फूलपुर को मुफीद नहीं माना जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय दिल्ली जा रहे है। वह पार्टी शीर्ष नेतृत्व के साथ बुधवार को उपचुनाव पर मशविरा करेंगे। ऐसे में बुधवार शाम तक उपचुनाव की सीटों पर स्थिति साफ हो जाएगी। सपा की ओर से फूलपुर सीट देने संबंधी चर्चा को लेकर अभी कांग्रेस प्रदेश नेतृत्व को कोई संदेशा नहीं मिला है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उन्होंने पांच सीटों का प्रस्ताव दिया है। सिर्फ दो सीट पर चुनाव लड़ने की बात कहे जाने पर प्रदेश के कार्यकर्ताओं की मनोदशा से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराया जा चुका है।

CM योगी ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में की पूजा-अर्चना

अयोध्या में 35,00,000 दीप जलाकर बनेगा विश्व रिकार्ड...

'हमारे रिश्ते इतने मजबूत हैं कि आपको ट्रांसलेशन की जरूरत नहीं है' - पुतिन

रूस के कजान में पुतिन से मिले PM मोदी, पढ़ें बड़ी बातें

- कजान में भारत के नए कांसुलेट खुलने से संबंध और मजबूत होंगे.
- पिछले 3 महीनों में मेरा 2 बार रुस आना हमारी गहरी मित्रता को दर्शाता है.
- पिछले 1 साल में BRICS की सफल अध्यक्षता के लिए मैं आपको बधाई देता हूं.
- 15 वर्षों में BRICS ने अपनी विशेष पहचान बनाई है, विश्व के सफल देश इससे जुड़ना चाहते हैं.
- रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के विषय पर हम लगातार संपर्क में रहे हैं.
- हमारा मानना है समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए.
- हमारे सभी प्रयास मानवता को प्राथमिकता देते हैं.
- भारत आने वाले समय में हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार है.

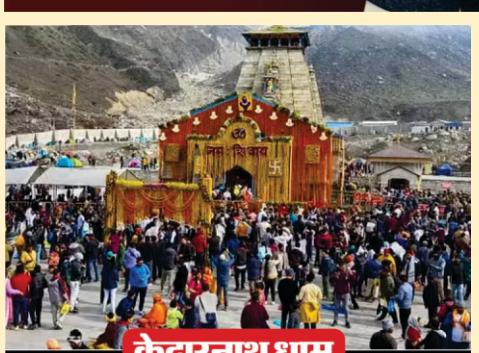

14.60 लाख के पार पहुंची दर्शनार्थियों की संख्या

अब धाम में दर्शनार्थियों की संख्या 14 लाख 60 हजार के पार हो गई है। केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने में अब सिर्फ 12 दिन रह गए हैं। धाम में प्रतिदिन औसतन 10 हजार श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे केदारघाटी के बाजारों के साथ ही पैदल मार्ग और धाम में रौनक बनी है।

'ब्रिक्स में शामिल होना चाहते हैं 30 देश

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजान में किया जा रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी मंगलवार को रूस के कजान गणराज्य पहुंचे थे। मंगलवार को पीएम मोदी ने सम्मेलन के मेजबान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की। साथ ही ईरान के राष्ट्रपति से भी द्विपक्षीय वार्ता की।

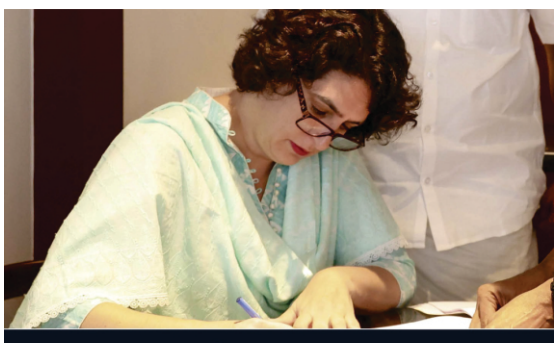

वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए प्रियंका ने दाखिल किया अपना नामांकन

प्रियंका गांधी के नामांकन पर कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने कहा कि आप जो ऊर्जा यहां देख रहे हैं, यह कुछ ऐसा है, जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे। हम चाहते थे कि प्रियंका गांधी किसी भी सीट से चुनाव लड़ें।

हमारी जिन्दगी पर बनी 'दंगल' फिल्म, कमाए 2 हजार करोड़... हमे एक हिस्सा नहीं मिला

फिल्म दंगल गीता, बबीता और उनके पिता महावीर फोगाट की कहानी से प्रेरित है
बबीता ने बताया कि मोटी कमाई करने वाली फिल्म दंगल से उन्हें मामूली रकम प्राप्त हुई
बबीता ने बताया कि उनका और परिवार का मकसद लोगों का प्यार और सम्मान कमाना था

नई दिल्ली। भारत की पूर्व महिला पहलवान बबीता फोगाट ने बॉलीवुड फिल्म दंगल को लेकर बड़ा खुलासा किया है। बता दें कि अमीर खान स्टारर फिल्म दंगल गीता, बबीता और उनके पिता महावीर फोगाट की कहानी से प्रेरणा पर बनी थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। बबीता फोगाट ने पहलवानी से संन्यास लेने के बाद राजनीतिक राह अपनाई और उन्होंने फिल्म दंगल की आर्थिक जानकारी के बारे में खुलासा करके बहुत लोगों को चौंकाया। जानकारी के मुताबिक दंगल फिल्म ने 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। हालांकि, बबीता फोगाट ने खुलासा किया कि उनके परिवार को मेकर्स द्वारा केवल 1 करोड़ रुपये की रकम प्राप्त हुई थी।

बलिया में फिर बरामद हुआ कारतूस : बैग लेकर बिहार जा रही थी युवती

वाराणसी। जीआरपी ने युवती से जब्त किया हुआ बैग खोला तो उनके होश उड़ गए। पूछताछ में युवती बोली कि इसके बारे में मुझे कुछ नहीं मालूम। मुझे बिहार में एक मित्र के यहां यह बैग देना था। दूसरी तरफ, अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है। बलिया रेलवे स्टेशन पर 20 दिन बाद जीआरपी ने दूसरी बार भारी मात्रा में कारतूस बरामद किया है। इसके साथ एक युवती को गिरफ्तार किया है। इसकी खबर लगते ही प्रशासन में खलबली मच गई।

भारी मात्रा में कारतूस की बरामदगी पर खुफिया विभाग की टीम अलर्ट हो गई। मौके पर पहुंच कर युवती से पूछताछ की। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुट गई। त्योहारों को लेकर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुरक्षा को लेकर जीआरपी आरपीएफ काफी सतर्क है। ट्रेनों व स्टेशन परिसर में लगातार सघन चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में प्लेटफार्म संख्या दो पर खड़ी 05446 वाराणसी–छपरा पैसेंजर ट्रेन में चेकिंग के दौरान एक युवती के पास से ट्रॉली बैग से 750 पीस कारतूस मिला। सभी कारतूस 315 बोर का है।

इसके पूर्व 29 सितम्बर को दो अभियुक्तों को 825 कारतूस और दो कट्टे संग गिरफ्तार किया था। कारतूस संग पकड़ी गई युवती ने अपना नाम मनीता सिंह निवासी राजगढ़ (मिर्जापुर) बताया। कहा कि ट्राली बैग को मित्र रोशन यादव व दो अन्य लोगों ने छपरा स्टेशन पर एक व्यक्ति को देकर वापस लौटने को कहा था। बैग में क्या है इसकी जानकारी नहीं है। कारतूस बरामदगी की सूचना पर जीआरपी सीओ रवि रतन गौतम बलिया स्टेशन पहुंच अभियुक्त से पूछताछ की।

फर्जी दरोगा ने ऐसे रची ठगी की कहानी

बेरोजगारी: नौकरी के बिना न हुई शादी तो बना फर्जी दरोगा, वर्दी में करता था रौब गालिब, ऐसे करता था ठगी

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में फर्जी दरोगा बन वर्दी में लोगों पर रौब गालिब करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह युवक नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से ठगी कर रुपये ऐंठता था। उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद भी मुजफ्फरनगर के यश की सरकारी नौकरी नहीं लगी और शादी नहीं हुई तो वह फर्जी दरोगा बन गया। उसने बागपत, शामली, सहारनपुर समेत अन्य जनपदों में युवकों से नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों की ठगी शुरू कर दी। बूढ़पुर गांव के सन्नी को पीआरडी में भर्ती कराने का फर्जी नियुक्ति देकर ठगी करने वाले फर्जी दरोगा यश को रमाला पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान यश निवासी मुंडभर थाना भौराकला जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई जो ग्रेजुएट पास है।

दिल्ली से खरीदी खाकी वर्दी, जूते, बेल्ट और नेम प्लेट

पुलिस पूछताछ में यश ने बताया कि बचपन से उसका सपना पुलिस में भर्ती होना था। जिसके लिए कई बार वह पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल भी हुआ, लेकिन कभी लिखित परीक्षा तो कभी शारीरिक परीक्षा में फेल हो जाता। बेरोजगारी के कारण उसका रिश्ता नहीं हो रहा था। जिसके बाद उसने अपना सपना पूरा करने के लिए अपराध का रास्ता चुना। वह वर्ष 2014 में दिल्ली गया, जहां से उसने कपड़े की दुकान से यूपी पुलिस दरोगा की वर्दी, बैच, बेल्ट, दो स्टार, नेम प्लेट व जूते खरीदे और फर्जी दरोगा बन गया।

वर्दी पहनकर बढ़ाया मेल–जोल, फिर शुरू की ठगी

फर्जी दरोगा बनकर यश ने वर्दी पहनकर शामली, सहारनपुर, बागपत में अनजान शादियों में आना–जाना शुरू किया। जहां लोगों से मेल–जोल बढ़ाते हुए ठगी की शुरुआत की। शादी कराने के लिए वह रिश्तेदारों और परिचितों पर खुद को दरोगा बताकर रौब गालिब करता था। बताया कि फर्जी दरोगा यश शामली के किवाना गांव के दीपक, कांधला के महबूब और बूढ़पुर के सन्नी, सहारनपुर के रामपुर निवासी अजय से पुलिस, आर्मी, पीआरडी में नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों की ठगी कर चुका है।

वर्ष 2019 में पकड़ा गया था यश

वर्ष 2019 में शामली जनपद के बुटराड़ा बस स्टैंड पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने फर्जी दरोगा यश को वर्दी में पकड़ा था। पूछताछ के दौरान यश अपनी तैनाती कभी बागपत जिले में छपरौली चुंगी तो कभी बेहट थाने में तैनाती बताता था। आरोपी ने 2015 में कांस्टेबल के पद पर भर्ती और बाद में प्रमोशन होने पर दरोगा होना बताया।

ऐसे पकड़ा गया फर्जी दरोगा

बताया कि बूढ़पुर गांव के सन्नी को पीआरडी में ढाई लाख रुपये में दरोगा बनाने का झांसा दिया था। जिसके लिए पचास हजार रुपये एडवांस भी लिये और फर्जी नियुक्ति पत्र भी सन्नी को दिया। मंगलवार को फर्जी दरोगा को शेष रकम दो लाख रुपये देने के लिए बुलाया गया, जहां शक होने पर सन्नी के परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर फर्जी दरोगा को पकड़वाया। फर्जी दरोगा बनकर लोगों से ठगी करने के मामले में आरोपी को पकड़ा गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। –विजय चौधरी, सीओ, बड़ौत।

'मुम्बई। फौजी 2' की बहुप्रतीक्षित रिलीज से पहले दूरदर्शन आज से शाहरुख खान के प्रसिद्ध 1989 के धारावाहिक फौजी के 13 एपिसोड प्रसारित करेगा। एपिसोड हर सोमवार से गुरुवार तक डीडी नेशनल पर प्रसारित किए जाएंगे, जिससे प्रशंसक शाहरुख खान के स्टारडम को लॉन्च करने वाले प्रतिष्ठित शो को फिर से देख सकेंगे। इस पुरानी यादों को ताजा करने के साथ–साथ 'फौजी 2' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पुणे में शुरू हो गई है, जो इस प्रिय सीरीज को एक नए रूप में पेश करेगी।

शो के लिए उत्साहित हैं गौहर खान

फौजी 2 की घोषणा ने पहले ही प्रशंसकों के बीच हलचल मचा दी है, जिससे वे इस प्रतिष्ठित कहानी की आधुनिक मोड़ के साथ वापसी का इंतजार कर रहे हैं। फौजी 2 में लेफ्टिनेंट कर्नल सिमरजीत कौर का किरदार निभाने वाली गौहर खान ने कहा, 'यह पहली बार है जब मैंने स्क्रिप्ट सुने बिना ही किसी प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी है। जिस समय संदीप ने मुझसे संपर्क किया, मैंने हां कह दिया, क्योंकि मैं शाहरुख खान की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। फौजी यूनिवर्स का हिस्सा बनना एक अवास्तविक एहसास है और शाहरुख खान की प्रतिष्ठित सीरीज को फिर से पेश होते देखना गर्व का पल है।'

सीमिंग रियालिटी शो का 15वां सीजन

मुम्बई। एक बार फिर इंडियन आइडल का मंच सुरीले गीतों से सजने वाला है। इस सिंगिंग रियालिटी शो का 15वां सीजन शुरू होने को है। इस बार शो में जज की कुर्सी पर सिंगर श्रेया घोषाल, सिंगर–सॉन्ग राइटर विशाल डडलानी और रैपर बादशाह बैठे हुए नजर आएंगे। जल्द ही इस शो के मंच पर श्रोताओं को कई बेहतरीन आवाजें सुनने को मिलेंगी। क्योंकि इससे पहले के सीजन में भी कई बेहतरीन सिंगर आए, जिनमें से सबसे उम्दा गायक विजेता बना। इंडियन आइडल के अब तक

अभिजीत सांवत

इंडियन आइडल के पहले सीजन के विनर अभिजीत सांवत थे। वह इस शो के विजेता बनकर रातों–रात स्टार बन गए। शो के बाद उनका एक सोलो एलबम भी रिलीज हुआ था, जिसका नाम 'आपका अभिजीत सावंत' था। इस सोलो एलबम को काफी पसंद किया गया और अभिजीत को घर–घर पहचाना जाने लगा था। इसके बाद अभिजीत सांवत ने बॉलीवुड की फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग की। इसके अलावा उन्होंने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया, साल 2009 में फिल्म 'लॉटरी' से एक्टिंग में डेब्यू किया। इसके अलावा वह सिंगिंग रियालिटी शो 'इंडियन आइडल–5' को होस्ट करते हुए भी नजर आए।

संदीप आचार्य

इंडियन आइडल के दूसरे सीजन के विनर संदीप आचार्य रहे। विनर बनने के बाद उन्होंने कुछ गाने गाए। उनकी आवाज में एक अलग किस्म का जादू था। संदीप, संगीत के अपने करियर में बहुत आगे जा सकते थे लेकिन साल 2013 में बीमारी के कारण उनका निधन हो गया।

प्रशांत तमांग

प्रशांत तमांग 'इंडियन आइडल–3' के विजेता रहे। वह इस रियालिटी शो में आने से पहले कोलकाता पुलिस में थे। वह पुलिस ऑर्केस्ट्रा में शामिल रहे और समय–समय पर पुलिस कार्यक्रमों में गाते रहे।

उनके सीनियर ने इंडियन आइडल में जाने की सलाह दी। इंडियन आइडल जीतने के बाद प्रशांत ने सोनी बीएमजी के साथ अपना पहला अलबम निकाला, जिसमें हिंदी और नेपाली गाने थे। इन दिनों तो वह नेपाली फिल्मों में बतौर गायक और अभिनेता काम कर रहे हैं और उनके काम को खूब सराहा भी जा रहा है।

सौरभी देबबर्मा

सौरभी देबबर्मा सिंगिंग रियालिटी शो 'इंडियन आइडल' के चौथे सीजन का हिस्सा रहीं, वह इस शो को जीतने वाली महिला विजेता हैं। इस शो को जीतने के बाद उन्होंने कई लाइव कॉन्सर्ट किए हैं, वह अब तक अलग–अलग देशों में परफॉर्म कर चुकी हैं।

'पुष्पा 2'

की फिर बदली रिलीज डेट, अब इस दिन आएगी अल्लू अर्जुन की फिल्म, बढ़ी विक्की कौशल की टेंशन

आउटडोर योगा सेशन में सारा अली खान का वीडियो हुआ वायरल

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान अपने अभिनय के साथ ही अपनी सेहत की भी खूब ध्यान रखती हैं। सारा फिटनेस प्रेमी हैं। वह अक्सर अपना योगा और जिम का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। आज सारा ने अपना एक और योगा का आउटडोर सेशन सोशल मीडिया पर साझा किया हो, जो प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हो रहा है। सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। सारा अपने प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। यही वजह है अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए सारा अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। आज सारा ने अपना एक और बेहद ही शानदार योगा सेशन का वीडियो साझा किया है, जिसपर प्रशंसक लगातार अपनी प्रतीक्रियाएं दे रहे हैं।

सारा का फिटनेस वीडियो

सारा अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पर्पल जॉगर्स पैंट और क्रॉप टॉप पहने हुए अपना वीडियो साझा किया है। जब सारा फ्री होती हैं तो वह अक्सर ट्रैवल करती हैं।

सारा ने आज ही अपने नए योगा फिटनेस आउटडोर सेशन से अपने प्रशंसकों को चौंका दिया है। इस वीडियो से साफ पता चल रहा है कि सारा इस समय वेकेशन पर हैं और वहां से सारा अपने शानदार लुक सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं।

आज के इस शानदार वीडियो की बात करें तो इसमें सारा को आउटडोर सेटिंग में सुबह योगा सेशन करते हुए देखा जा सकता है। सारा का यह अंदाज उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है।

दिवाली से पहले नुसरत भरूचा ने खरीदी रेंज रोवर...करवाई पूजा

मनीष मल्होत्रा की दीवाली पार्टी

में पहुंचे बालीवुड सितारे

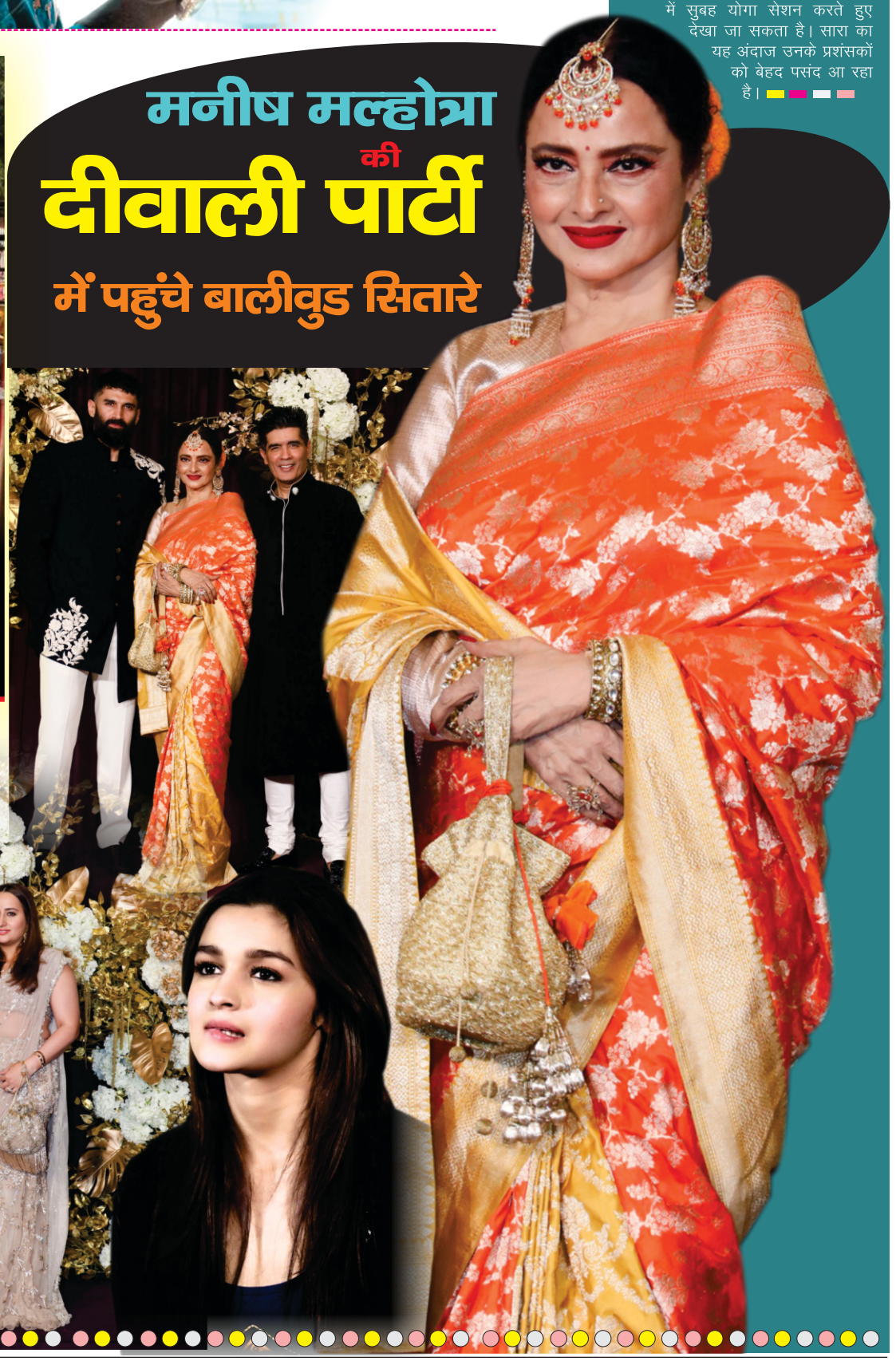

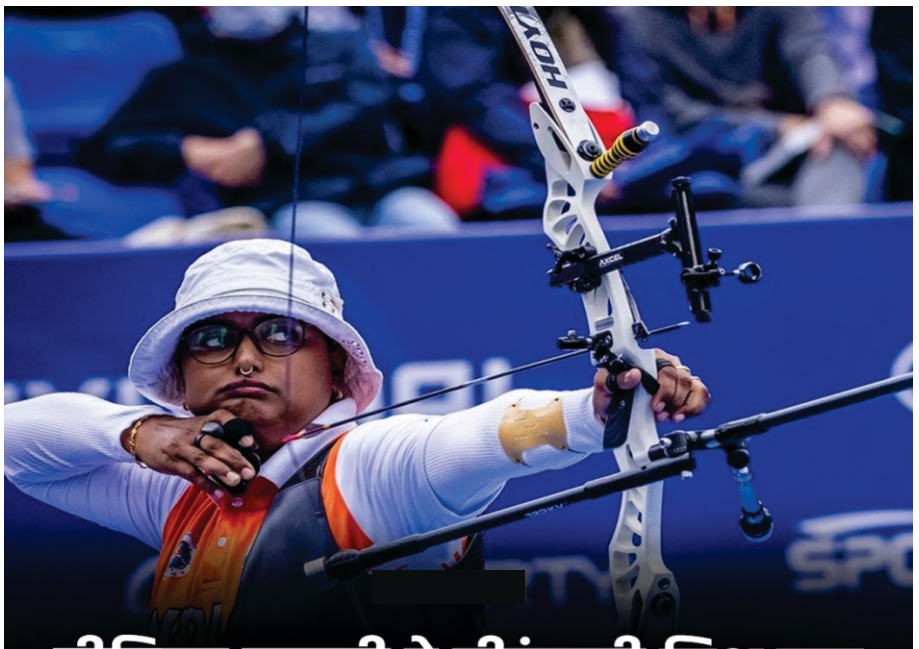

दीपिका कुमारी ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में जीता सिल्वर मेडल

भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां सिल्वर मेडल जीता है. दीपिका कुमारी ने क्वार्टरफाइनल में यांग शियाओलेई को 6–0 से हराया और फिर एलेजांद्रा वालेंसिया को 6–4 से शिकस्त दी. हालांकि, फाइनल में भारतीय तीरंदाज को ली जियामन से 6–0 से हार मिली.

पुणे : अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ विराट कोहली।

जोहोर बाहरू : सुल्तान जोहोर कप हॉकी मुकाबले में गेंद पर कब्जा करने की कोशिश में भारत और मलयेशिया के खिलाड़ी।

आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा

कुलदीप को नहीं मिला मौका, कृष्णा की वापसी

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है। घरेलू सर्किट में रन बनाने के बाद अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में जगह मिली है। नितीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और वे इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे।

कुलदीप चोट के कारण बाहर

इस बीच भारत के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव टीम से बाहर हो गए हैं। वह अपनी पुरानी बाईं कमर की समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। वहीं, भारत के स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है।

शमी को फिर लगा झटका

मोहम्मद शमी को एक बार फिर टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है। फिलहाल स्टार पेसर सर्जरी से उबर रहे हैं। हाल ही में कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि शमी इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया आएं। उन्होंने कहा– ईमानदारी से कहूं तो ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए उन्हें चुनना मुश्किल है। उन्हें एक और चोट लगी थी और उनके घुटनों में सूजन आ गई थी। इससे उनकी स्थिति थोड़ी खराब हो गई और उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। वह डॉक्टरों और फिजियो के साथ एनसीए (नेशनल क्रिकेट एकेडमी, बंगलूरू) में हैं। हम अनफिट शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं ले जाना चाहते। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह 100 प्रतिशत फिट हो जाएं।

कृष्णा की वापसी, अक्षर का कटा पत्ता

इस मैच में तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व जसप्रीत बुमराह करेंगे। इसमें उनका साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया गया गया है। कृष्णा ने टेस्ट टीम में भी वापसी की है। उन्हें आखिरी बार द. अफ्रीका के खिलाफ खेलते देखा गया था। वहीं, स्पिन विभाग में रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को जगह मिली है। वहीं, अक्षर पटेल को मौका नहीं मिला है।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) , आर अश्विन, आर जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

टीम इंडिया ने क्या शानदार बदलाव किया

सुंदर के चयन पर सुनील गावस्कर का यू-टर्न! पहले की थी आलोचना

स्पोर्ट्स डेस्क। गावस्कर भारत की प्लेइंग–11 में तीन बदलाव करने के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। केएल राहुल, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को दूसरे टेस्ट के लिए बाहर कर दिया गया और उनकी जगह शुभमन गिल, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए कुलदीप यादव की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने के फैसले की शुरुआत में आलोचना की थी। हालांकि, सुंदर के सात विकेट लेने के बाद अब उन्होंने अपने बयान से यू–टर्न लिया है। बंगलूरू में पहले टेस्ट में हार के बाद वॉशिंगटन को भारतीय टीम में शामिल किया गया था और उन्हें प्लेइंग–11 में शामिल किए जाने के बाद गावस्कर ने कहा था कि यह घबराहट में

लिया गया फैसला था।

गावस्कर ने की सुंदर की तारीफ

हालांकि, इस युवा ऑलराउंडर ने शानदार प्रदर्शन किया और सात विकेट लेकर भारत की मैच में वापसी कराई। यहां तक कि गावस्कर भी उनके प्रदर्शन से प्रभावित दिखे और कमेंट्री करते हुए कहा – क्या प्रेरित करने वाला चयन है। उन्हें प्लेइंग–11 में इसलिए चुना गया है क्योंकि वह थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं और थोड़ी गेंदबाजी कर सकते हैं।

भारतीय टीम का घबराहट भरा फैसला ?

इससे पहले गावस्कर भारत की प्लेइंग–11 में तीन बदलाव करने के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। केएल राहुल, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को दूसरे टेस्ट के लिए बाहर कर दिया गया और उनकी जगह शुभमन गिल, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई। उन्होंने गुरुवार को टॉस के बाद कहा था, 'यह भारतीय टीम का घबराहट भरा फैसला लगता है। आप अक्सर टीम में तीन बदलाव नहीं करते हैं।'

गावस्कर ने कही थी यह बात

गावस्कर ने कहा, 'जब तक चोट की चिंता न हो, मैं बहुत सी टीमों को तीन बदलाव करते नहीं देखता। वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने से पता चलता है कि वे अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित हैं। उनकी गेंदबाजी से ज्यादा, उन्हें निचले क्रम में उनकी बल्लेबाजी की जरूरत है। हां, न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी इकाई में बाएं हाथ के बल्लेबाजों के बारे में काफी चर्चा हो रही है, लेकिन मैं कुलदीप यादव को चुनूंगा क्योंकि उनकी गेंद वामहस्त बल्लेबाजों के लिए बाहर की तरफ निकलती है।'

आस्ट्रेलिया दौरे से पहले रणजी ट्राफी के दो मुकाबले खेलेंगे शमी

स्पोर्ट्स डेस्क। शमी के टखने की सर्जरी हुई थी और वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में हैं। शमी ने बंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के बाद सेंटर विकेट पर गेंदबाजी की थी। बंगाल के कोच लक्ष्मीरत्न शुक्ला का कहना है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रणजी ट्रॉफी के कुछ मुकाबला खेलना चाहते हैं। शमी अभी तक पूरी तरह मैच फिटनेस हासिल नहीं कर सके हैं। माना जा रहा था कि शमी बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है। लक्ष्मीरत्न ने कहा, 'शमी केरल के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह कर्नाटक और मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में बंगाल टीम से जुड़ेंगे।' शमी के महत्व पर बोलते हुए लक्ष्मीरत्न ने कहा कि कुछ रणजी मैच खेलने से शमी को ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले अच्छी स्थिति में देखा जाएगा। बंगाल के कोच ने कहा, वह भारत के लिए एक मूल्यवान खिलाड़ी हैं और टीम को ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए उनकी सेवा की आवश्यकता होगी। हाल ही में उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले वह बंगाल के लिए कुछ रणजी मैच खेलने को लेकर कितने उत्सुक हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए अच्छा होगा और हमारे लिए बड़ा प्रोत्साहन होगा, हमारे चार प्रमुख खिलाड़ी भारत और भारत ए के लिए खेल रहे हैं।

शमी की वापसी पर रोहित ने दिया था बयान

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि शमी इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया आएं। इसके पीछे उन्होंने कारण भी बताया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व कहा था, ईमानदारी से कहूं तो ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए शमी को चुनना मुश्किल है। उन्हें एक और चोट लगी थी और उनके घुटनों में सूजन आ गई थी। इससे उनकी स्थिति थोड़ी खराब हो गई और उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। वह डॉक्टरों और फिजियो के साथ एनसीए में हैं। हम अनफिट शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं ले जाना चाहते। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह 100 प्रतिशत फिट हो जाएं।

आस्ट्रेलिया सीरीज को लेकर क्या बोले थे शमी?

शमी की टखने की सर्जरी हुई थी और वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में हैं। शमी ने बंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के बाद सेंटर विकेट पर गेंदबाजी की थी। पर्थ में 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट सीरीज का जिक्र करते हुए शमी ने कहा था, मैंने रविवार को जिस तरह गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। मैं इससे पहले आधे रन–अप से गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं ज्यादा दबाव नहीं लेना चाहता था। मुझे अब कोई दर्द नहीं है। हर कोई लंबे समय से सोच रहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए जा पाऊंगा या नहीं लेकिन अभी इसमें थोड़ा समय है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।